आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-360 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 जून 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

देश में अब तक 12 फीसदी ज्यादा बारिश

नई दिल्ली। देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 मिमी हो चुकी है। इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह-जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे। वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है।

सलमान ने खरीदी 4 करोड़ की कार

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने अपनी कार कलेक्शन में एक नई बुलेटप्रूफ लग्जरी शामिल की है। इसमें बुलेटप्रूफ फीचर जैसे आर्मर्ड बॉडी पैनल और रिइनफोर्स्ड ग्लास हैं। खबरों के मुताबिक बुलेटप्रूफ मर्सिडीज-मेबैक जीएलएस 600 कार की कीमत लगभग 3.40 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह सलमान की पहली बुलेटप्रूफ कार नहीं है। उनके पास पहले से भी एक बुलेटप्रूफ कार है।यह कार सिर्फ प्रीमियम SUV नहीं है। इसमें 4.0-लीटर ट्विन-टर्बो V8 इंजन और 48V माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम है। इसमें 9-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और 4MATIC ऑल-व्हील ड्राइव है। यह 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार सिर्फ 4.9 सेकेंड में पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड करीब 250 किलोमीटर प्रति घंटा है।दरअसल पिछले महीने 20 मई को सलमान खान के घर में एक शख्स के घुसने का मामला सामने आया था। पुलिस ने बताया था कि 23 साल के आरोपी का नाम जीतेंद्र कुमार है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है।

मुनीर पर चुप्पी, अमेरिका पर मुखर विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की व्हाइट हाउस यात्रा और अमेरिका के रुख को लेकर अब भारतीय विदेश मंत्रालय ने बात रखी व कहा हमने इस यात्रा पर ध्यान दिया है। मगर हम लोगों को इस मसले पर टिप्पणी नहीं करनी है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान आर्मी चीफ को अमेरिका बुलाया था और उनके साथ लंच पर कई मुद्दों पर चर्चा की थी। इस दौरान उन्होंने भारत को दोस्त कहा था तो पाकिस्तान को आई लव यू तक कह डाला था। वहीं,विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका को हम बहुत ही अच्छा दोस्त मानते हैं और हमारी दोस्ती बहुत गहरी है।

रतलाम में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, सीएम ने उद्योगों का लोकार्पण किया

नए औद्योगिक क्षेत्र, 24सौ करोड़ की सहायता व युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर मिले

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार आज फिर निवेश अभियान पर है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रतलाम में रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लायमेंट कान्क्लेव का उदघाटन किया। इस अंचल के लिये अपनी तरह का यह पहला कार्यक्रम है। यह कान्क्लेव औद्योगिक विकास, कौशल उन्नयन और रोजगार सृजन को समर्पित है। इसकी शुरूआत के मौके पर ही सीएम रीवा, सागर, आलीराजपुर और पीथमपुर में रोजगारमूलक औद्योगिक इकाइयों का वचुर्अल भूमिपूजन और लोकार्पण भी कर रहे हैं। इस कान्क्लेव में 243 करोड़ रुपये लागत के 16 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों का भूमिपूजन और 11 राज्य क्लस्टर्स का लोकार्पण किया जाएगा। दो लाख से अधिक हितग्राहियों को 2400 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि वितरित की जाएगी। इस कान्क्लेव की थीम सफल उद्यमी, समृद्ध उद्योग, समावेशी विकास है। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग और तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की भागीदारी है। मुख्यमंत्री कॉन्क्लेव में युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर और उद्योगपतियों को भूमि आवंटन और निवेश परियोजनाओं के लिए आशय पत्र वितरित कर रहे हैं। इसके बाद वे चयनित जिलों के हितग्राहियों से संवाद करेंगे और उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बैंकों को सम्मानित भी करेंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में आज सुबह केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आवंटित 252 मेगावाट विद्युत क्रय अनुबंध पर एनएचपीसी और एमपी पीएमसीएल के मध्य हस्ताक्षर हुए और एमओयू का आदान-प्रदान किया गया।

एमओयू व निवेश के आशय पत्र

इस कान्क्लेव में एमएसएमई विभाग और वालमार्ट एवं ओएनडीसी के साथ एमओयू किए जा रहे हैं इसके साथ ही 2,850 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के आशय पत्र जारी होंगे, जिनसे 5450 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। कान्क्लेव में 2500 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें एमएसएमई उद्यमी, बैंक प्रतिनिधि, प्रशिक्षित युवा, विभागीय अधिकारी और निवेशक शामिल हैं।

पानी मिला डीजल: सीएम, काफिले की गाड़ियां हुई बंद

रतलाम में रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव की तैयारियों की बेच आधी रात से हडकंप भी रहा। दरअसल सीएम के काफिले के लिए इंदौर से आई 19 इनोवा कार पेट्रोल पंप से डीजल भरवाने के बाद कुछ दूरी पर जाकर एक के बाद एक बंद हो गईं। गाड़ियों के टैंक खोलकर देखे गए तो उनमें डीजल के साथ पानी निकला। अफसर भागे भागे मौके पर पहुंचे व पेट्रोल पंप को सील कर दिया। फिर इंदौर से दूसरी गाड़ियां बुलाई गईं। बताया जाता है कि सीएम के अलावा कई वीआईपी के लिए यह प्रबंध थे। इसी के मद्देनजर पुलिस ने सीएम कार्केड का ट्रायल किया। मगर डीजल भरवाने के बाद गाड़ियां रुकने लगीं तो धक्के मारकर सडक किनारे खडी कीं।

रतलाम रवाना होने से पहले सीएम यादव भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ भोपाल में युवा संसद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर यादव ने कहा कि आपातकाल लागू करना संविधान की हत्या थी। जिम्मेदार लोगों ने ही संविधान का पालन नहीं किया।

दावा-60 फीसद तक पहुंच चुका था ईरान

इजरायल की चेतावनी-एनरिच यूरेनियम तत्काल हमें सौंपे ईरान

तेलअवीव,एजेंसी

इजरायल और ईरान के बीच संबंधों में तनाव खत्म नही हो सका है। इजरायल के रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा है कि अब ईरान को कहा जाएगा कि वह खतरनाक स्तर तक एनरिच किए गए यूरेनियम को लौटा दे। माना जाता है ईरान अपने यूरेनियम को 60 फीसदी तक एनरिच कर चुका था, अगर एनरिचमेंट का ये स्तर 90 फीसदी तक पहुंच जाता तो ईरान परमाणु बम बनाने में सक्षम हो जाता। काट्ज ने कहा कि अमेरिका भी ईरान से कह चुका है कि उसे अपना एनरिच यूरेनियम सौंपना होगा। काट्ज ने कहा कि शुरू से ही यह स्पष्ट था कि हमला आसपास के बुनियादी ढांचे को तबाह कर देगा। इजरायल के हमलों का उद्देश्य उसकी क्षमताओं को बेअसर करना था। अब ईरान के पास परमाणु बम बनाने का तरीका नहीं है, क्योंकि हमने यूरेनियम को ठोस रूप में बदलने वाली ट्रांसफर सुविधा को नष्ट कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल तो ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई को खत्म करना चाहता था। वे हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते।

जगन्नाथ की रथयात्रा में हाथी बेकाबू होने से भगदड़

अहमदाबाद,एजेंसी। आज सुबह भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में एक हाथी बेकाबू होने से हड़कंप मचा रहा। लोग इधर-उधर भागने लगे। रथ यात्रा में 18 हाथियों के ग्रुप में सबसे आगे चल रहे हाथी के बेकाबू होने पर वन विभाग के अमले ने काबू किया। बाद में फिलहाल रथ यात्रा से 3 हाथियों को हटा दिया गया है, जिसमें दो मादा हाथी और एक नर हाथी शामिल है। अब 17 में से 14 हाथी रथ यात्रा में शामिल होंगे। अहमदाबाद में जगन्नाथ यात्रा सुबह 7 बजे शुरू हुई थी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पाहिंद विधि कर रथ यात्रा की शुरुआत की। रात तकरीबन 8.30 बजे भगवान वापस मंदिर लौटेंगे।

प्लेन क्रेश मामला: ब्लैक बॉक्स का डाटा रिकवर, डाउनलोड

अहमदाबाद। एअर इंडिया विमान क्रैश की जांच टीम में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी को शामिल नहीं किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी आईसीएओ ने सरकार को एक अधिकारी देने की पेशकश की थी। भारतीय अधिकारियों ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। बताया जाता है कि हादसे के बाद मिला प्लेन का ब्लैक बॉक्स का डेटा रिकवर कर लिया गया है। इसे डाउनलोड किया गया है। मेमोरी मॉड्यूल का एक्सेस भी मिल गया है। अब जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डेटा का विश्लेषण करेगी। इससे हादसे के कारणों का पता चलेगा। सरकार ने पहले ही कह था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश नहीं भेजा जा रहा। यह जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो कर रहा है।

'ज्यादा' की मांग पर अफसरों को सीएस की हिदायत

आरक्षण के नए नियमों को लेकर 'दोनों पक्ष' मुखर

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र में प्रमोशन के नए नियमों पर घमासान बढ़ गया है। कल मंत्रालय में अनारक्षित वर्ग के कर्मचारियों व अधिकारियों के प्रदर्शन व कोर्ट की शरण लेने के संकेत से सरकार भी सतर्क है। तत्काल डीपीसी के निर्देश दिये गये हैं। उधर यह भी सामने आया कि सीएस अनुराग जैन के सामने कल बैठक में एसीएस गृह जेएन कंसोटिया ने कई सवाल दाग दिए व कहा कि प्रमोशन में एससी, एसटी वर्ग के अधिकारी, कर्मचारियों को 16 व 20 फीसद से अधिक आरक्षण क्यों नहीं दिया जा सकता? मंत्रालय सेवा में अतिरिक्त सचिव के केवल तीन पद है, ऐसे में एससी वर्ग से तो कोई अतिरिक्त सचिव बन ही नहीं पाएंगे तो चौथा पद भी होना चाहिए। इस पर सीएस ने विस्तार से जवाब देने की बजाए इतना ही कहा कि नए प्रमोशन नियम नीतिगत फैसला है। उल्लेखनीय है कि कंसोटिया अजाक्स अधिकारी, कर्मचारी संस्था के अध्यक्ष भी है और कुछ माह बाद सेवानिवृत्त होने वाले है। हालांकि कहा गया कि सरकार ने एससी, एसटी वर्ग को प्रमोशन में तमाम विरोधों के बावजूद पर्याप्त आरक्षण दिए जाने का प्रबंध किया है, मगर कंसोटिया के सवाल जारी रहे। सपाक्स वर्ग के तहत आने वाले अधिकारी, कर्मचारी प्रमोशन में आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। बावजूद जुलाई अंत तक 50 हजार से अधिक शासकीय सेवकों को प्रमोशन मिल जाएगा। फिर सितंबर-अक्टूबर में डीपीसी के बाद फिर इतने ही शासकीय सेवकों को लाभ मिलेगा। बताया जाता है कि डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा पुलिस में तो एक वेतनवृद्धि रोके जाने के बाद संबंधित को 5 वर्षों तक प्रमोशन नहीं मिलता। इस पर सीएस ने अलग से रास्ता निकालने की बात कही।

एक सप्ताह में सीआर लिखने के निर्देश

सीएस ने साफ कह दिया है कि सीआर अधिकतम एक सप्ताह में लिख दें। यह काम पूरा करने के साथ डीपीसी करें और हर हाल में 31 जुलाई तक पात्र शासकीय सेवकों को पदोन्नति दें। उन्होंने कहा कोई अड़चन हो तो अभी बेझिझक कहें। साप्रवि एसीएस संजय दुबे और अजय कटेसरिया समेत बाकी के अफसर यहां बैठें, वे आपकी जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे। अब संशय के कारण 9 साल से अटकी पदोन्नति के लिए कर्मचारियों को और इंतजार न करना पड़े। ज्ञात हो कि करीब डेढ़ लाख कर्मचारी बिना प्रमोशन रिटायर्ड हो चुके हैं।

मेट्रो एंकर पंद्रह दिन से उड़ नहीं पा रहा, एयरपोर्ट प्रबंधन लेगा तगड़ा पार्किंग शुल्क

अमेरिका का फाइटर जेट स्टील्थ केरल में हुआ बेबस, जगह से हिलाने को भी तैयार नहीं पायलट

नई दिल्ली, एजेंसी

ऐसा पहली बार हो रहा है कि अमेरिका में बना अत्याधुनिक लड़ाकू विमान किसी विदेशी धरती पर इस तरह से लाचार हालत में फंसा हुआ है। मामला भारत के केरल का है और यह रॉयल नेवी के विमान वाहक एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स का हिस्सा है। ब्रिटिश विमान वाहक ने हाल ही में भारतीय नौसेना के साथ हिंद महासागर में अभ्यास भी किया था। यह स्टील्थ फाइटर जेट हाइड्रोलिक सिस्टम में आई खराबी की वजह से उड़ नहीं पा रहा है। इस जेट को ठीक करने की ब्रिटिश और अमेरिकी इंजीनियरों की अब तक की सारी कोशिशें फेल हैं।

इस बीच विमान की उड़ान में अनिश्चितता देखते हुए इसे हैंगर में ले जाने की बात भी चल रही थी, लेकिन ब्रिटिश नौसेना अधिकारी इसके लिये तैयार नहीं। इससे पहले ब्रिटिश नेवी का जो पायलट इसे यहां लेकर आया था, वह भी इस विमान को अपनी नजरों से तब तक ओझल होने देने को तैयार नहीं, जब तक एक ब्रिटिश नेवी के हेलीकॉप्टर से इसके कुछ और स्टाफ और तकनीशियन नहीं आ गए।

बहरहाल, तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14 जून की रात से खड़े अमेरिका में बने एफ-35बी लड़ाकू विमान पर अब हवाई अड्डा पार्किंग शुल्क लगाने की तैयारी है। एयरपोर्ट ने विदेशी सेना के इस लड़ाकू विमान को फिलहाल बे-4 में रखा है, जो कि वीआईपी विमानों के लिए पार्किंग की जगह है। मगर तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट अभी यह नहीं तय कर पाया है कि उससे पार्किंग फीस और अन्य संबंधित शुल्कों के रूप में कितना वसूला जाए। हालांकि ब्रिटिश हाई कमीशन ने कहा है कि 'हम तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यूके के विमान के जल्द ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं और भारतीय अधिकारियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं।

ईंधन की कमी के चलते इमरजेंसी लैंडिंग

एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि फाइटर जेट को ईंधन की कमी की शिकायत के बाद इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति दी गई थी। इसके लिये भारतीय वायुसेना ने मंजूरी दी थी। लेकिन, लैंडिंग के बाद विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी की बात सामने आई और तब से इंजीनियरों की कई टीमें इसे ठीक करने की असफल कोशिशें कर चुके हैं। इस जेट एफ-35बी को इंजीनियर अगर यहां ठीक नहीं कर पाए तो इसे किसी कार्गो प्लेन से इसे यहां से ले जाने की कोशिश की जा सकती है।

आजादी मुफ्त नहीं मिलती शिकारियों पर नजर रखें

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर और उनकी पार्टी के बीच अनबन की खबरों के बीच अब कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर का तंज भरा पोस्ट चर्चा में है। उन्होंने लिखा कि आजाद पंछी को भी आसमान पर नजर रखनी चाहिए। दरअसल पहले थरूर ने एक्स पर लिखा था- उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं व आसमान किसी का नहीं। माना जाता है थरूर ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी पर जवाब दिया था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने पर खरगे ने असहमति जताई थी।

अब थरूर की पोस्ट की प्रतिक्रिया में टैगोर ने एक पोस्ट में लिखा- उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पक्षियों को उड़ने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं होती...,लेकिन आजाद पंछी को भी आसमान में देखना होता है। बाज, गिद्ध और ईगल हमेशा शिकार करते रहते हैं। आजादी मुफ्त नहीं मिलती, खासकर जब शिकारी देशभक्ति का चोला पहन लें।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम : 5 हजार 128 बच्चे ऐसे जिन्हें उनके द्वारा चयनित प्रथम वरीयता वाले स्कूलों में मिला प्रवेश

आरटीई के तहत दूसरे चरण की सीटें आवंटित, 9 हजार बच्चों को मिला स्कूल

भोपाल दोपहर मेट्रो

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए दूसरे चरण की लॉटरी बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी कर दी है। इस बार लॉटरी में प्रदेश के 9 हजार 190 बच्चों को उनकी पसंद के निजी स्कूल में प्रवेश मिला है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने भोपाल में आरटीई के तहत निजी विद्यालयों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के निःशुल्क प्रवेश के लिये ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया। इस लॉटरी प्रक्रिया में उन बच्चों को शामिल किया गया था, जिन्हें प्रथम चरण की लॉटरी में उनकी पंसद के स्कूल आवंटित नही हो सके थे। ऐसे बच्चों को निजी विद्यालयों की रिक्त सीटों अनुसार द्वितीय चरण की लॉटरी के लिये अपनी वरीयता अंकित करते हुए आवेदन करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था। द्वितीय चरण की लॉटरी में बच्चों को उनकी चुनी गई वरीयता के आधार पर निजी विद्यालयों में सीट का आवंटन ऑनलाइन लॉटरी की स्वचालित कंप्यूटर प्रक्रिया द्वारा किया गया। इनमें से 5 हजार 128 बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें उनके द्वारा चयनित प्रथम वरीयता वाले स्कूलों में प्रवेश मिला है।

पहले चरण में 83 हजार 483 बच्चों को मिला था स्कूल?

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष आरटीई के तहत लॉटरी के लिए दस्तावेज सत्यापन के उपरांत एक लाख 66 हजार 751 बच्चे पात्र हुए थे, जिनमें से 83 हजार 483 बच्चों को प्रथम चरण की ऑनलाइन लॉटरी में उनके द्वारा चयनित स्कूलों का आवंटन किया जा चुका है। बुधवार को आयोजित हुई द्वितीय चरण की लॉटरी में 9 हजार 190 और बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में प्रवेश आवंटन प्राप्त हुआ है। इस प्रकार इस वर्ष शैक्षणिक सत्र 2025-26 में आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश आवंटन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 92 हजार 673 हो गई है।

आवंटित स्कूलों में 30 जून तक जाकर प्रवेश ले सकेंगे?

जिन बच्चों को आज इस ऑनलाइन लॉटरी में स्कूल का आवंटन हो रहा है, उन्हें उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस माध्यम से भी सूचना दी जा रही है। बच्चे उनके आवंटित स्कूलों में 30 जून तक जाकर प्रवेश ले सकेंगे। इन बच्चों की फीस राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार सीधे स्कूल के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर की जाएगी। इस ऑनलाइन लॉटरी में विभिन्न प्रायवेट स्कूलों की नर्सरी कक्षा में 6 हजार 331, केजी-1 में एक हजार 895 और कक्षा पहली में 964 बच्चों को नि:शुल्क प्रवेश के लिये सीटों का आवंटन हुआ है।

पदोन्नति नियमों के प्रावधानों के विरोध में मंत्रालय में प्रभावी प्रदर्शन

आरक्षित वर्ग को अनारक्षित पदों पर जाने का प्रावधान किसी साजिश का हिस्सा

विरोध 36% का नहीं, चिंता 64% के शून्य प्रतिनिधित्व की

भोपाल दोपहर मेट्रो

पदोन्नतियों में आरक्षण के नए नियमों से बवाल शुरू होने लगा है। अनारक्षित वर्ग के अधिकारी और कर्मचारियों ने मंत्रालय के मेन गेट पर बड़ी संख्या में एकत्र होकर प्रावधानों के प्रति अपना रोष व्यक्त किया। बारिश के दौरान सभी कर्मचारी अधिकारी डटे रहे। सभी अधिकारी कर्मचारी स्लोगन लिखी टोपियां लगाकर प्रदर्शन में शामिल हुए। बाकी अधिकारी कर्मचारी अपने हाथों में तख्तियां थामे हुए थे जिन पर नारे लिखे थे- पदोन्नति 2016 से मिलनी चाहिए न कि 2025 से, आरक्षित वर्ग के कर्मचारी अनारक्षित पदों पर न आयें, नये पदोन्नति नियम रद्द करो..।

इस सभा को सपॉक्स पदाधिकारी चेतना त्रिपाठी, अमरेश गालर अंकित अवधिया सतीश शुक्ला द्वारा संबोधित किया गया। अंत मे कर्मचारी नेता मनोज वाजपेई, अशोक शर्मा, इंजी सुधीर नायक, के एस तोमर द्वारा संबोधित कर नियमों के अनारक्षित विरोधी प्रावधानों की जानकारी कर्मचारियों को दी गई। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी के अध्यक्ष श्सधीर नाएक ने स्पष्ट किया कि वे आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं। पदोन्नति में आरक्षण के भी खिलाफ नहीं है। क्योंकि उन्होंने अनारक्षित वर्ग के साथ साथ आरक्षित वर्ग की अनेक समस्याओं के लिए संघर्ष किया। लेकिन आरक्षित वर्ग अपने 36त्न कोटे के भीतर आगे बढ़े और अनारक्षित वर्ग अपने 64त्न कोटे के भीतर आगे बढ़ें। आरक्षित वर्ग अनारक्षित में न आए और अनारक्षित आरक्षित में न जायें।

नायक व तोमर ने आशंका जताई कि आरक्षित वर्ग का अनारक्षित पदों पर जाने का प्रावधान किसी साजिश का हिस्सा लगता है ताकि दोनों वर्ग आपस में लड़ते रहे और सामाजिक समरसता कायम न हो सके। आरक्षित वर्ग के अनारक्षित पदों पर जाने के अन्यायपूर्ण नियम के कारण मंत्रालय सहित लगभग सभी कार्यालयों में अनारक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व लगभग शून्य हो गया है और शतप्रतिशत उच्च पदों पर आरक्षित वर्ग का कब्जा हो चुका है। जब कोई रोक नहीं थी तो पदोन्नतियां 2016 से ही होनी चाहिए। 9 वर्ष की वरिष्ठता की हानि कर्मचारी अकारण क्यों भुगते।

मंत्री परमार की अध्यक्षता में हुई उच्च शिक्षा विभाग की बैठक

बीए उत्तीर्ण को भी साक्षात्कार के माध्यम से अन्य विषय में मिल सकेगा एडमिशन

भोपाल दोपहर मेट्रो

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता म उच्च शिक्षा विभाग की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शीर्ष समिति की बैठक हुई। बैठक में स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों, स्नातक स्तर पर संचालित कृषि पाठ्यक्रम में प्रवेश तथा अपरेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम के संबंध में चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि ऐसे विद्यार्थी जो स्नातक स्तर पर चयनित मुख्य अथवा गौण विषय से इतर किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर करना चाहते हैं तो उनकी पात्रता का निर्धारण राज्य के विश्वविद्यालयों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए पात्र विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

यह निर्णय भी लिया गया कि आगामी सत्र से बीएससी एग्रीकल्चर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली पीएटी परीक्षा, सीयूईटी-यूजी अथवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जा सकेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन, आयुक्त उच्च शिक्षा निशांत बरबड़े, अध्यक्ष प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति डॉ. रविंद्र कान्हेरे, कुलगुरु एवं शीर्ष समिति के सदस्य सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संस्कार स्कूल परिसर में 5 दिवसीय शिविर संपन्न

असाध्य रोग उपचार शिविर का आज समापन, अगला शिविर 28 जून से

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संस्कार विद्यालय परिसर में पांच दिवसीय असाध्य रोग उपचार शिविर का आयोजन किया गया, जिसका समापन 27 जून को होगा। यह शिविर डॉ. राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान, हनुमानगढ़, राजस्थान के सहयोग से लगाया गया है।

शिविर में डॉ. एस. एस. लोहिया, डॉ. सचिन लोहिया, डॉ. भवानी सिंह और डॉ. हिमांशु लोहिया ने अपनी सेवाएं दीं। इन विशेषज्ञों ने विभिन्न प्रकार के रोगों, जैसे गर्दन दर्द, सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस, चक्कर आना, हाथों में सुन्नपन, सिरदर्द, कमर दर्द, स्लिप डिस्क, पैरों का सुन्नपन, साइटिका, घुटने का दर्द, चलने में तकलीफ, घुटनों में आवाज आना, सीढ़ियाँ चढ़ने में परेशानी, शुगर और पेट से संबंधित बीमारियों का उपचार किया। उपचार के लिए एक्यूप्रेशर, कपिंग थेरेपी, सुजोग थेरेपी और वाइब्रेशन थेरेपी जैसी प्राकृतिक पद्धतियों का उपयोग किया गया, जो बिना दवा के रोगों को ठीक करने पर केंद्रित हैं।

संस्कार स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष चंदर नागदेव, सह सचिव नरेश वासवानी ने संतनगर के लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की। अगला शिविर झूलेलाल मंदिर, संत हिरदाराम नगर में 28 जून 2025 से 02 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इस विशिष्ट उपचार का लाभ ले सकें।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें समय पर मिलें: शिक्षा मंत्री

भोपाल। इस वर्ष की तरह शैक्षणिक सत्र 2026-27 में भी बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें गुणवत्ता के साथ समय पर मिलें, यह सुनिश्चित किया जाये। यह बात स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को मंत्रालय में गवर्निंग बॉडी बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने इस वर्ष 2025-26 में बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें शैक्षणिक सत्र अप्रैल में शुरू होते ही वितरित होने पर संतोष व्यक्त किया। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने पाठ्य-पुस्तकों के वितरण एवं छात्रों को प्रदाय की व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पाठ्य-पुस्तकों की गुणवत्ता में और सुधार कर आकर्षक बनाया जाए। बैठक में निगम के कर्मचारियों के वेतन और अन्य भत्तों सहित आवंटित आवासों के मरम्मत कार्य पर भी चर्चा की गयी। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. गोयल ने निगम के कर्मचारियों और अधिकारियों के रिक्त पदों को भरे जाने के संबंध में सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त स्टॉफ होने से निगम की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।

ब्लॉक कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व मारन ने किया

बिजली के भारी-भरकम बिलों से परेशान लोगों ने बिजली अफसरों को ज्ञापन दिया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

इस महीने आए बिजली के बिलों के विरोध में नागरिकों ने पार्षद और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मारण के नेतृत्व में विद्युत मंडल के अधिकारियों से मुलाकात की। लोगों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण ने अधिकारियों को बताया कि उपस्थित महिलाओं में से अधिकांश गरीब परिवारों से हैं और घरों में काम करके अपना गुजारा करती हैं। उनके बिजली के बिल 8,000 रुपए से लेकर 10,000 रुपए तक आए हैं, जो उनकी मासिक आय के मुकाबले बहुत अधिक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस माह संतनगर के लगभग सभी घरों में बिजली के बिल अप्रत्याशित रूप से अधिक आए हैं, जबकि पिछले महीने बिजली की सात से आठ घंटे तक कटौती भी हुई थी।

बिलों में सुधार नहीं किया, तो कार्यालय के पर धरना देंगे

मारण ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर बिजली विभाग ने बिलों में सुधार नहीं किया, तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपभोक्ताओं के साथ मिलकर बिजली कार्यालय के सामने धरने पर बैठेगी। ज्ञापन सौपने वालों में प्रवक्ता महेश गुरबानी, जगदीश सांवले, अशोक गोकलानी, आत्माराम सूर्यवंशी, राजकुमार धानुक, शम्मी गंगवानी, साहिल खान, पूनम यादव, और दिलीप आडवानी सहित कई महिलाएँ और अन्य रहवासी शामिल थे।

ई-अटेंडेंस प्रणाली तत्काल बंद करने, शिक्षक कांग्रेस ने लिखा पत्र

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के स्कूलों में ई-अटेंडेंस प्रणाली लागू करने के बाद इस विरोध शुरू हो गया है। इसको लेकर अब मप्र शिक्षक कांग्रेस ने लोक शिक्षण संचालनालय को पत्र लिखकर ई-अटेंडेंस प्रणाली को तत्काल बंद करने की मांग की है। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सतीश शर्मा ने जारी एक पत्र में कहा है कि ई-अटेंडेंस प्रणाली शिक्षकों के लिए व्यवहारिक रूप से अनुचित और समस्या पूर्ण साबित हो रही है। खासकर ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में जहां नेटवर्क और संसाधनों की भारी कमी है। यदि प्रणाली को चालू रखना हो, तो ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्र के लिए ऑप्शनल और लचीली व्यवस्था बनाई जाए।

मैट्रो एंकर विस्थापितों का दर्द : सिंधी सेंट्रल पंचायत का प्रतिनिधि मंडल विधायक से मिला

15 लाख रुपए दोबारा प्रीमियम जमा कराने का आरोप

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) के सिंधी विस्थापित परिवारों ने आज विधायक रामेश्वर शर्मा से मुलाकात कर आरोप लगाया कि उन्हें गुमराह कर उनसे प्रीमियम की राशि दोबारा जमा करवाई गई है। सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को बताया कि वन ट्री हिल्स पर 1988 में आवंटित किए गए 500 भूखंडों के लिए प्रीमियम राशि पहले ही जमा कर दी गई थी। इसके बावजूद, 6 जून 2023 को कलेक्टर कार्यालय में विधायक की मौजूदगी में हुई एक बैठक में तत्कालीन एसडीएम ने उनसे दूसरी बार ?15 लाख का प्रीमियम जमा करवा लिया।

विस्थापितों का कहना है कि यह सरासर अन्याय है, क्योंकि इस राशि को जमा करवाने के बाद भी उनकी 2018 में समाप्त हुई लीज का नवीनीकरण नहीं किया गया है। उन्होंने विधायक से अपनी संपत्ति का मालिकाना हक दिलाने और लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

यह शामिल थे प्रतिनिधि मंडल में

प्रतिनिधिमंडल में कपड़ा एसोसिएशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के संरक्षक प्रकाश मीरचंदानी, ईश्वरदास हिमथानी, वासुदेव वाधवानी, महासचिव सुरेश जसवानी, मंडल भाजपा अध्यक्ष मनीष बागवानी, शेट्टी चंदनानी सहित नरेश केवलरामानी, नरेंद्र लालवानी और बसंत चेलानी जैसे प्रमुख सदस्य शामिल थे।

विधायक ने कलेक्टर को लिखा पत्र

विस्थापितों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए, विधायक रामेश्वर शर्मा ने तुरंत कलेक्टर भोपाल को एक पत्र लिखा। उन्होंने कलेक्टर से संत हिरदाराम नगर के सिंधी विस्थापित परिवारों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक प्रदान करने और वन ट्री हिल्स के 500 भूखंडधारियों के लीज नवीनीकरण के संबंध में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

कौशल, विकास और उद्यमशीलता के स्वर्णिम पथ पर मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव

RISE शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

27 जून 2025 । प्रातः 11:00 बजे । पोलो ग्राउंड, रतलाम

प्रमुख आकर्षण

- ₹ 2012 करोड़ से अधिक लागत की 94 औद्योगिक इकाइयों और क्लस्टर्स का भूमिपूजन/लोकार्पण
- 288 एमएसएमई इकाइयों के लिए ₹ 270 करोड़ की प्रोत्साहन राशि का वितरण
- 140 वृहद औद्योगिक इकाइयों को ₹ 425 करोड़ की वित्तीय सहायता का वितरण
- 538 एमएसएमई इकाइयों को भू-खंड आवंटन पत्र वितरण
- ₹ 6000 करोड़ से अधिक निवेश करने व 17600 से अधिक रोज़गार देने वाली 35 वृहद औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन हेतु आशय पत्र वितरण
- 4 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्व-रोज़गार के लिए ₹ 3861 करोड़ का ऋण वितरण
- थीमैटिक सेशन
- वन-टू-वन मीटिंग
- एमओयू एक्सचेंज
- प्रदर्शनी

फोकस सेक्टर

- कृषि, खाद्य प्रसंस्करण एवं डेयरी
- जेम्स एंड ज्वेलरी
- नवीकरणीय ऊर्जा
- फार्मा, बायोटेक, रसायन
- लॉजिस्टिक्स
- पर्यटन एवं टेक्सटाइल

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11054/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

संपादकीय

अंतरिक्ष तक फिर पहुंचने के मायने

अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी नासा ने एक्सिओम मिशन-4 के तहत जिन चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा है, उनमें सबसे खास बात यह है कि भारतीय वायुसेना के कप्तान शुभांशु शुक्ल भी इस मिशन में शामिल हैं। इस मिशन के जरिये दरअसल शुभांशु को खासतौर पर गगनयान मिशन की दृष्टि से ही तैयार किया गया है। वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच कर सात प्रयोग करेंगे। यह भारत के लिए इसलिए भी बड़ी उपलब्धि है कि लंबे समय बाद उसका तैयार किया हुआ कोई अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में गया है। 41 साल पहले राकेश शर्मा के बाद शुभांशु को दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री का गौरव प्राप्त हुआ है। वे बुधवार को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे और कल शाम वे अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच गये हैं। अब अंतरिक्ष प्रयोगों के लिए अगले दो सप्ताह बहुत महत्वपूर्ण हैं। यूं तो अंतरिक्ष अब कुतूहल का विषय नहीं, बल्कि कारोबारी संभावनाओं के अनंत आकाश में तब्दील हो चुका है। इसीलिए दुनिया के तमाम उन्नत देश अंतरिक्ष में अपनी पहचान अंकित करने की होड़ में नजर आते हैं। भारत भी पिछले कुछ वर्षों से अपने तकनीकी विकास, अनुसंधान क्षमता और प्रणाली के बल पर अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो गया है। उपग्रह प्रक्षेपण के कारोबार में तो वह दुनिया के कई देशों को चुनौती देने लगा है। अब भारत अपनी महत्त्वाकांक्षी गगनयान योजना पर काम कर रहा है। उस दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अंतरिक्ष में मानव को भेजना इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि उन्नत अंतरिक्ष यानों, ताकतवर कैमरों, रोबोटिक यंत्रों आदि के विकास के बावजूद अंतरिक्ष के विस्तार को पूरी तरह खंगाल पाना संभव नहीं है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया गया, ताकि वहां रह कर अंतरिक्ष यात्री विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन कर सकें। मगर उस स्टेशन तक मानव को भेजना और वापस लाना अब भी बड़ी चुनौती है। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के वहां लंबे समय तक फंस जाने की घटना से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। जिन यात्रियों को वहां भेजा जाता है, उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से विशेष प्रशिक्षण की जरूरत होती है, क्योंकि अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के लिए जिस तरह शरीर को ढालने की जरूरत होती है, वह कम ही लोग कर पाते हैं। फिर, उस स्टेशन तक यात्रियों को भेजने के लिए भरोसेमंद यान अभी तक अमेरिका ही विकसित कर पाया है। बावजूद अब शुभांशु के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने से भारत को अपने अंतरिक्ष यात्री तैयार करने का रास्ता खुलेगा और गगनयान मिशन के लिए काम करने में काफी मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि अभी भी अंतरिक्ष के बहुत सारे रहस्य खुलने बाकी हैं। उसका अध्ययन केवल इसलिए महत्त्वपूर्ण नहीं है कि उसमें जीवन की संभावनाओं की तलाश हो सकेगी। विभिन्न ग्रहों पर खनिजों और नए तत्त्वों की खोज से विज्ञान व मानवता के लिए नए रास्ते भी खुल सकेंगे। भविष्य में धरती के कई खनिज बढ़ती जरूरतों के आगे अपर्याप्त पड़ सकते हैं। इसलिए दूसरे ग्रहों पर उनकी तलाश अभी से करनी पड़ेगी। फिर, अब तो अंतरिक्ष पर्यटन पर जोर बढ़ रहा है। इस दिशा में कई सरकारी व निजी प्रयास हो रहे हैं। गगनयान मिशन को भी इसी दृष्टि से विकसित किया जा रहा है कि अंतरिक्ष पर्यटन की संभावनाओं को भुनाया जा सके। ऐसे में शुभांशु जैसे अंतरिक्ष यात्रियों की जरूरत भी बढ़ेगी। इस लिहाज से भारत का अंतरिक्ष की तरफ लगातार बढना शुभ संकेत है।

वह आदमी जो किसी समस्या के दोनों पहलुओं पर विचार नहीं करता, बेईमान है।
- लिकन

आज का इतिहास

- 1693 : लंदन में महिलाओं की पहली पत्रिका लेडीज मरकरी का प्रकाशन शुरू।
- 1940: सोवियत संघ की सेना ने रोमानिया पर हमला किया।
- 1957: ब्रिटेन की मेडिकल रिसर्च काउंसिल की एक रिपोर्ट में बताया गया कि धूम्रपान की वजह से फेफड़ों का कैंसर हो सकता है।
- 1967: लंदन के एनफील्ड में विश्व का पहला एटीएम स्थापित किया गया।
- 1967: भारत में निर्मित पहले यात्री विमान एचएस 748 को इंडियन एयरलाइंस को सौंपा गया।
- 1991: युगोस्लाविया की सेना ने स्लोवेनिया के स्वतंत्र होने के 48 घंटे के भीतर ही इस छोटे से देश पर हमला कर दिया।
- 2002: जी-8 देश परमाणु हथियार नष्ट करने की रूसी योजना पर सहमत।
- 2003: संयुक्त राज्य अमेरिका में समलैंगिकता पर प्रतिबंध रद्द।
- 2004: अमेरिका और यूरोपीय संघ ने जीपीएस. गैलेलियो के विकास में सहयोग से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 2005: ब्रिटेन ने भारत की वीटो रहित स्थायी सदस्यता का समर्थन किया।
- 2006: गुयेन मिन्ह ट्रयेट वियतनाम के राष्ट्रपति चुने गए।
- 2008: भारत और पाकिस्तान ने ईरान से आने वाली गैस पाइप लाइन परियोजना को चालू करने के लिए आ रही रुकावटों को हल किया।
- 2008: माइक्रोसॉफ्ट कारपोरेशन के चेयरमैन बिल गेट्स ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

निशाना

लगे खेलने खेल !

-कृष्णेन्द्र राय

है अभी शुरुआत ये ।
लगे खेलने खेल ।।
रहा यही यदि हाल ।
होगा कैसे मेल ?
सारे चतुर खिलाड़ी ।
रहे हैं पासा फेंक ।।
है गद्दी का मामला ।
मतभेद भी अनेक ।।
होंगे कैसे एकजुट ?
है वही सवाल ।।
हो रही ना शांति ।
बस केवल बवाल ।।
एकता की बात थी ।
होते दरकिनार ।।
झलक रहा है बहुत कुछ ।
करते जो व्यवहार ।।

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

■ उमेश चतुर्वेदी

संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा।

किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए। सॉफ्टवेयर क्रांति का केंद्र बेंगलुरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है।

आजादी के सतहत्तर साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ बदसलूकी होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है। बेशक राजभाषा विभाग के लिखित उद्देश्य में इसका जिक्र नहीं है। लेकिन राजभाषा विभाग को इस दिशा में भी काम करना होना। उसे सोचना होगा कि गैर हिंदीभाषी राज्यों के मन में हिंदी को लेकर जो गांठ बन रही है, उसे किस तरह दूर किया जा सकता है। राजभाषा विभाग को देखना होगा कि हिंदी के नजदीक दूसरे राज्यों के लोग कैसे आ सकते हैं।

अपनी प्रमुख पुस्तिका हिंद स्वराज में गांधीजी ने हिंदी को ही स्वाधीन भारत की भाषा माना था। उन्हें पता था कि तमिलनाडु जैसे गैर हिंदीभाषी राज्य इसका विरोध कर सकते हैं। इसलिए 1918 के इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में हिंदी के पांच सेवकों को दक्षिणी राज्य में प्रचार के लिए भेजा था, जिनमें एक उनके बेटे देवदास गांधी भी थे। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। इसके बाद केरल हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद जैसी कई संस्थाएं बनी और हिंदी को सहज स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करने लगीं। यह बिडंबना ही कहा जाएगा कि राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद का मुख्यालय महाराष्ट्र के वर्धा में है और महाराष्ट्र में ही हिंदी को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है।

राजभाषा विभाग के कई उद्देश्य हैं, जिनमें राज्य विशेष के उच्च न्यायालय की कार्यवाही में अंग्रेजी भाषा से भिन्न किसी अन्य भाषा का सीमित प्रयोग शुरू कराने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी पाना, केंद्रीय कर्मचारियों के लिए हिंदी शिक्षण योजना चलाना, जरूरी पत्र-पत्रिकाओं और संबंधित साहित्य का प्रकाशन आदि है। राजभाषा विभाग ने इन मोर्चों पर काम किया भी है। लेकिन राजभाषा विभाग को इससे इतर भी भूमिका तलाशनी होगी। केंद्रीय कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ ही आम लोगों की हिंदी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा को तोड़ने की दिशा में भी राजभाषा विभाग से प्रयास की उम्मीद की जाती है। चूंकि हिंदीप्रेमी अमित शाह गृहमंत्री हैं, लिहाजा राजभाषा विभाग को अपनी इस भूमिका के लिए शासन से जरूरी सहयोग मिल सकता है। अपनी पचासवीं सालगिरह पर राजभाषा विभाग को इस दिशा में सोचना होगा।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आत्मनिर्भरता से रक्षा निर्यातक बनने के बीच चुनौती

■ डॉ. शशांक द्विवेदी

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां रूस-यूक्रेन, इस्राइल-हमास और इस्राइल-ईरान जैसे युद्ध चल रहे हैं, वहीं भारत-पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भी सैन्य तैयारी की गंभीरता को रेखांकित किया है। ऐसे माहौल में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पर विश्व का ध्यान केंद्रित हुआ है। भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आयातक से निर्यातक देश बनने की ओर बढ़ता भारत अब वैश्विक मंच पर एक मजबूत और विश्वसनीय रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने देश के रक्षा निर्माण और निर्यात को गति दी है।रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2017-18 में मात्र 1,521 करोड़ रुपये था, जो 2023-24 में बढ़कर 16,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह लगभग 950 प्रतिशत की वृद्धि है, जो यह दर्शाता है कि भारत अब रक्षा निर्माण और निर्यात के क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के 85 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात किया है। निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उत्पादों में आर्टिलरी गन सिस्टम्स (धनुष) आकाश मिसाइल प्रणाली, राडार सिस्टम्स (स्वाति राडार), गश्ती नौकाएं और मिसाइल बोट्स, डोर्नियर एयरक्राफ्ट, 'ध्रुव', बुलेटप्रूफ जैकेट्स, हेल्मेट्स, स्मॉल आर्म्स और गोला-बारूद, ड्रोन, यूएवी आदि शामिल हैं।सरकार ने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं मसलन रक्षा उत्पादन नीति, निजी कंपनियों को प्रोत्साहन, विदेशों में रक्षा अटेचेज़ की नियुक्ति, सिंगल विंडो क्लियरेंस, डिफेंस एक्सपो जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजन। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसे सार्वजनिक उपक्रमों के साथ-साथ टाटा, एल एंड टी, भारत फोर्ज जैसी निजी कंपनियों ने डिफेंस निर्यात को नया आयाम दिया है। सरकार ने लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है, जिससे निजी कंपनियां भी रक्षा उत्पादन और निर्यात में भाग ले सकें। रक्षा निर्यात से जुड़े लाइसेंस और परमिशन अब सिंगल विंडो सिस्टम से मिल रहे हैं।

ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली भारत की रक्षा तकनीक की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। यह सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित की गई है। अब यह न केवल भारत की सैन्य क्षमताओं का एक अभिन्न हिस्सा है, बल्कि भारत के डिफेंस निर्यात की पहचान भी बन रही है। भारत ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात करने की दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ा चुका है। यह भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित एक सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल है, जो दुनिया की सबसे तेज क्रूज़ मिसाइलों में से एक मानी जाती है। यह भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट सेक्टर की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि इससे भारत विश्व के चुनींदा मिसाइल निर्यातक देशों की सूची में शामिल हो गया है। जनवरी, 2022 में, भारत ने फिलीपींस के साथ लगभग 375 मिलियन डॉलर (करीब 2700 करोड़ रुपये) का सौदा किया। इस सौदे के तहत भारत शिप-लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति कर रहा है। यह भारत की पहली बड़ी मिसाइल निर्यात डील है। इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया, यूएई, ब्राजील, अर्जेंटीना आदि देशों को – (संभावित ग्राहक) भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की पेशकश की है। ब्रह्मोस के 'लैंड, शिप और एयर वर्ज़न' को लेकर इन देशों में रुचि जताई गई है।

ब्रह्मोस निर्यात भारत की तकनीकी और सामरिक क्षमताओं को दर्शाता है। ब्रह्मोस जैसे हाई-एंड हथियारों के निर्यात से भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। साथ ही दक्षिण चीन सागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत होती है। इससे 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' की वैश्विक छवि निखर रही है।भारत का लक्ष्य है कि वह 2047 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इसमें एक प्रमुख स्तंभ बने। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देना न केवल विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया है, बल्कि यह भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करता है। इससे भारत की 'सॉफ्ट पॉवर' और 'स्ट्रैटेजिक पावर' दोनों को बढ़ावा मिलता है।

भारत को आने वाले वक्त में वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी आवश्यकताओं और लॉजिस्टिक्स जैसी चुनौतियों से जूझना होगा। कारगर रणनीतियां और निजी क्षेत्र की सक्रियता इस राह को आसान बना सकती हैं। इनसे निपटने के लिए भारत को अनुसंधान एवं विकास में निवेश, रक्षा स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना होगा।भारत का डिफेंस सेक्टर अब आत्मनिर्भरता से आगे बढ़कर वैश्विक योगदानकर्ता बनने की ओर अग्रसर है। भविष्य में भारत रक्षा उत्पादों के लिए विश्व का प्रमुख निर्यातक बन सकता है जो न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि रणनीतिक रूप से भी देश को वैश्विक मानचित्र पर नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

(साभार : लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं। यह उनके निजी विचार हैं:)

नशामुक्त, खुशहाल नर्मदापुरम की थीम पर आयोजित हुआ कार्यक्रम, दुष्परिणामों से किया जागरूक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय संभागीय आई.टी.आई के ऑडिटोरियम नर्मदापुरम में जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नर्मदापुरम के द्वारा आयोजित किया गया। जिसका मुख्य उददेश्य मद्यपान, मादक पदार्थ एवं उनके द्रव्यों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से युवा, छात्र-छात्राओं एवं आमजनों को अवगत कराकर उनमें जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश जिला न्यायालय नर्मदापुरम विजय कुमार पाठक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौजान सिंह रावत, और संयुक्त कलेक्टर एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग नर्मदापुरम श्रीमती संपदा सराफ, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य श्रीमती श्वेता चौबे, विधायक सेवा प्राधिकरण से जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह, कैंसर अस्पताल नर्मदापुरम से डॉक्टर अतुल सेठा, जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र कौरव, संकल्प से नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र से ऋषभ शास्त्री, ब्रम्हकुमारी से तुलसा दीदी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, सामाजिक संस्थाओं के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश

विजय पाठक ने अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके इतिहास और उपयोगिता के संबंध में उपस्थित समस्त नागरिकों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि नशे के आदि व्यक्ति को आर्थिक सामाजिक तथा मानसिक सभी प्रकार के दुष्परिणाम का सामना करना पड़ता है। नशा केवल लत नहीं है अपितु यह अपराधों को जन्म देने की प्रथम सीढ़ी है। राज्य स्तर पर भी नशे की रोकथाम के लिए अनेकों कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि ऐसे राज्य ऐसे समाज तथा ऐसे राष्ट्र का निर्माण करें जो की पूर्ण रूप से नशा मुक्त हो।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सौजान सिंह रावत ने बताया कि नशे की रोकथाम के लिए इससे प्रभावित हुए व्यक्तियों की आप बीती को सभी लोगों के सामने लाया जाना बहुत आवश्यक है जिससे कि सभी को इसके दुष्परिणाम के बारे में पता चले तथा मुख्य रूप से युवा वर्ग इस दिशा में जाने से अपने कदमों को रोके। उन्होंने बताया कि नशे से बचने का केवल एक ही तरीका है वह आत्म संयम ही है। केवल हमारा खुद के ऊपर संयम ही हमें इस दलदल में फंसने से रोक सकता है। इसके लिए महत्वपूर्ण है कि हम हमारे दैनिक दिनचर्या को सुव्यवस्थित रखें। नशा एक सामाजिक बुराई है यह केवल लत नहीं एक प्रकार की बीमारी है तथा हम सभी की सामूहिक रूप से जिम्मेदारी बनती है कि इसे खत्म करने में सभी अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इस संबंध में हर संभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हमें यह संदेश हर घर तथा हर युवा तक पहुंचना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि नशे के आदि लोगों को इस दलदल से निकालने के लिए उनके साथ सहानुभूति पूर्वक व्यवहार बहुत ही आवश्यक है साथ ही उनको नैतिक समर्थन प्रदान कर ही इस समस्या से निजात पाई जा सकती है। इस दौरान श्री रावत ने बोला कि बच्चों एवं युवाओं को सोशल मीडिया पर उपयोगी एवं चयनात्मक सामग्री ही उपलब्ध कराई जाना चाहिए जिससे कि उनका मानसिक एवं बौद्धिक विकास सही दिशा में हो। बच्चों के अभिभावकों के साथ-साथ यह हम सबकी सामूहिक जवाबदारी है कि उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करें।

कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देते हुए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा सराफ ने बताया कि नशे की समस्या भारत ही नहीं समूचे विश्व के लिए चिंता का विषय है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि युवा आने वाला कल है तथा अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर युवाओं की सकारात्मक भागीदारी को इस अभियान की सफलता की कुंजी बताया।

बोर्ड परीक्षा में अव्वल आने वाले मेधावी बच्चों को विद्या रत्न सम्मान से पुरस्कृत किया

विद्यार्थियों ने जिला समेत एमपी का नाम रोशन किया है : राव उदय प्रताप

स्कूल शिक्षा मंत्री ने मेधावी बच्चों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहां की नर्मदापुरम जिले के मेधावी बच्चों ने कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में अव्वल आकर न केवल जिले का अपितु समूचे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने सभी मेधावी बच्चों को शुभकामनाएं दी। मंत्री राव ने मेधावी बच्चों को विद्या रत्न पुरस्कार प्रदान कर सभी मेधावी विद्यार्थियों पर पुष्प वर्षा की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

गुरुवार को नर्मदा महाविद्यालय में सोसाइटी फार प्राइवेट स्कूल के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने सभी विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों को तथा विद्यार्थियों के माता-पिता को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन गौरव का दिन है। विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षाओं में जो उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है उससे न केवल उनके शिक्षक अपितु उनके माता-पिता को भी खुशी दी है। उन्होंने कहा कि आज पुरस्कार लेते हुए जो फोटो विद्यार्थी अपने घरों में लगाएंगे, बरसों बाद उस फोटो को देखकर वह सुखद अनुभूति से सरोबार हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का शैक्षणिक कार्य कुछ सालों का होता है उसके बाद वे अपनी शिक्षा पूरी कर भौतिक जीवन में प्रवेश करते हैं और यह विद्यार्थी जीवन कैसे निकल जाता है इसका पता ही नहीं चलता। मंत्री राव ने कहा कि जो विद्यार्थी समय के साथ चलते हैं वही विद्यार्थी जीवन में सफल होते हैं और जो व्यक्ति समय के इंतजार में घर में बैठे रहते हैं तो समय उनका इंतजार नहीं करता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को समय का सदु उपयोग करने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा पद्धति पहले मैकयावली की शिक्षा पद्धति पर आधारित थी लेकिन हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में शिक्षा नीति में आमूल चूल परिवर्तन किया। उन्होंने बच्चों की नैतिक क्षमता का विकास करने पर एवं बच्चों को प्रति स्पर्धा करने की नीति पर जोर दिया और उस पर अमल किया। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2020 में नई शिक्षा नीति लागू की गई जो अब धीरे-धीरे धरातल पर परिदृश्य हो रही है। यह नीति देश को एक अलग पहचान दे रही है। आज विश्व में एक प्रतिस्पर्धा के माहौल है और हमारे विद्यार्थी इस प्रतिस्पर्धा की माहौल में फिट बैठ पा रहे हैं। नई शिक्षा नीति समय की मांग है। इस नीति में स्थानीय बोली, भाषा, सभ्यता, संस्कृति का समावेश है इसके अलावा विदेशी भाषाओं को सीखने की प्रेरणा देने वाले तत्व भी हैं। मंत्री राव ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों से लाखों विद्यार्थी पढ़कर निकल रहे हैं लेकिन हमारे सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने भी इस वर्ष अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि सरकारी एवं प्राइवेट स्कूल मिलकर बच्चों का बेहतर भविष्य गढ सकते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में सरकारी स्कूल एवं प्राइवेट स्कूल के रिजल्ट में 8 से 10त्न का अंतर रहता था लेकिन इस बार सरकारी स्कूलों ने उस अंतर को कम कर दिया है।

मंत्री राव ने कहा कि दुनिया में सबसे कठिन काम एक शिक्षक बनना है। एक शिक्षक न केवल अपने बच्चों को शिक्षित करता है अपितु उनके बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करता है। विद्यार्थी जब सफल हो जाता है तो वहीं शिक्षक गर्व की भावना से अभीभूत रहता है। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक अपने इस दायित्व को समझे। उन्होंने कहा कि एक नेता यदि दायित्व निर्वहन में चुक करता है तो जनता का 5 वर्ष खराब करता है लेकिन यदि एक शिक्षक चूक करता है तो वह पूरी पीढी का भविष्य खराब करेगा। उन्होंने कहा कि समाज में माता-पिता के बाद सबसे सम्मानजनक स्थान समाज में शिक्षकों का है। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्या देने में कोई चुक ना करें क्योंकि विद्यार्थियों के माता-पिता का भरोसा शिक्षकों पर ही टिका रहता है। सभी शिक्षक अपने विद्यार्थियों के पसंदीदा क्षेत्र को पहचाने एवं उस क्षेत्र में विद्यार्थी को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को प्रेरणा देने का कार्य करता है। उन्होंने सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों को मिलकर कार्य करने की बात कही और कहा कि यदि दोनों आपस में मिलकर काम करेंगे तो एक सुंदर उत्कृष्ट मध्यप्रदेश को गढेगे। मंत्री राव ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने भी 1 अप्रैल को ही सभी स्कूलों में सिलेबस भेज दिया था। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति, स्कूल ड्रेस, साइकिल एवं पाठ्य पुस्तक प्राप्त हो जाए।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉक्टर सीता सरन शर्मा ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों की यह यात्रा की एक शुरुआत है यदि वे मार्ग पर चलेंगे तो उन्हें हर कदम पर सफलता मिलेगी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि शिक्षा हमें संस्कार एवं संस्कृति के क्षेत्र में आगे बढाने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी पर परिवार एवं राष्ट्र के गौरव को आगे बढाने का दायित्व है एवं सभी विद्यार्थी इस दायित्व का पूरी निष्ठा से पालन करें।

इन विद्यार्थियों को विद्या रत्न पुरस्कार दिया

प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह ने कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं में जिले एवं प्रदेश में प्रवीण सूची में स्थान बनाने विद्यार्थियों को विद्या रत्न पुरस्कार प्रदान किया। मंत्री श्री राव ने कक्षा 12वीं कि दीपिका लोधी, साक्षी, सोनाक्षी चौबे, कक्षा दसवीं की विद्यार्थी दिव्या पटेल, रानी कहार, अन्नपूर्णा यादव, कुमारी साक्षी को पुरस्कार प्रदान किया। वहीं राज्य स्टेट बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा में सूची में स्थान बनाने वाली छात्रा कुमारी सौम्या चोरे, वैशाली, कृष्णा शर्मा, लकी, शिवानी शर्मा, राजेंद्र शर्मा, आस्था, प्रशांत एवं प्रियंका कहार को विद्या रत्न पुरस्कार प्रदान किया। मंत्री श्री राव ने सीबीएससी में कक्षा दसवीं में मेधावी सूची में अपना स्थान बनाने वाली कुमारी स्नेहा, रुद्र प्रताप, अपेक्षा, स्मृति, ऋषिका को तथा सीबीएसई की परीक्षा में कक्षा 12वीं के टॉपर रहे विनायक, सेजल, राजवीर, अंशिका, प्रतिभा, सुनिधि, तेजस्वी, हंसिका, गरिमा को विद्या रत्नम पुरस्कार प्रदान किया साथ ही इन विद्यार्थियों के स्कूल के प्राचार्य एवं संचालकों को स्मृति चिन्ह भेंट किया।प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने गुरुवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत नर्मदा महाविद्यालय के प्रांगण में सिंदूर एवं कचनार के पौधों का रोपण किया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉक्टर सीता सरन शर्मा, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पौधारोपण किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2025

नर्मदापुरम के रसूलिया क्षेत्र में पुनर्जीवित हो रहा फेफरताल तालाब

नर्मदापुरम। राज्य शासन द्वारा संचालित जलगंगाढ्संवर्धनढ्अभियान के अंतर्गत किए गए उन्नयन कार्यों का सकारात्मक प्रभाव अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित होने लगा है। नर्मदापुरम के रसूलिया क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक फेफरताल तालाब की तस्वीर अब बदलने लगी है। जहां एक समय यह तालाब अपनी मूल संरचना और क्षमता को खो चुका था, वहीं अब पहली ही बारिश में इसका जलस्तर उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। तालाब के चारों ओर अब पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने लगी है, जो इस क्षेत्र में बढ़ती जैव विविधता का संकेत है। धीरे-धीरे तालाब की प्राकृतिक पारिस्थितिकी संरचना में सुधार होता दिखाई दे रहा है। फेफरताल तालाब के पुनर्जीवन में लोक सहभागिता का भी विशेष योगदान रहा है। लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने स्वयं श्रमदान करते हुए इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई थी। साथ ही, नगरपालिका अमले द्वारा भी तालाब के सौंदर्यीकरण और सफाई कार्य निरंतर रूप से किए जा रहे हैं। वर्षा काल के दौरान यह तालाब न केवल जल संचय करेगा, बल्कि भूमिगत जलस्तर में वृद्धि कर आसपास के क्षेत्रों की जलापूर्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

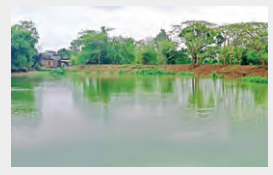

सभी वर्ग के व्यक्ति स्किल सेल एनीमिया का परीक्षण अवश्य कराएं : डॉ दीपमाला

नर्मदापुरम। शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं स्किल सेल एनीमिया उन्मूलन के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन गत दिवस किया गया। जिसमे डॉ दीपमाला रावत, विषय विशेषज्ञ जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन म.प्र.भोपाल के द्वारा योजना अंतर्गत सम्मिलित सभी विभागों से योजना की समीक्षा कर निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में शत्प्रतिशत सैच्यूरेशन का कार्य किया जाकर शासन से प्राप्त नियम निर्देशों के अनुसार अभियान व योजनाओं का संचालन किया जावे। समीक्षा बैठक में सभी सम्मिलित विभागों की अभियान अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिये गये। शासन निर्देशानुसार जनजातीय वर्ग के सभी हितग्राहियों का स्किल सेल एनीमिया का परीक्षण आवश्यक रुप से कराये जाने एवं इस संबंध में जागरुकता अभियान चलाये जाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिये गये। जनजाति वर्ग अंतर्गत सभी गर्भवती महिलाओं के स्किल सेल परीक्षण अनिवार्यत: किया जावे। डॉ दीपमाला रावत, विषय विशेषज्ञ जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन म.प्र.भोपाल के द्वारा विकासखण्ड केसला के ग्राम धाईखुर्द में आयोजित प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का निरीक्षण भी किया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, मत्स्य विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, जनजातीय कार्य विभाग जिला नर्मदापुरम एवं अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

संस्कृत विद्यालयों को मध्याह्न भोजन देने विहिप ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। विश्व हिन्दू परिषद मंदिर अर्चक पुरोहित आयाम एवं महर्षि भृगु संस्कृत विश्वविद्यालय के तत्वावधान में मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम कार्यालय में सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गयी है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मध्यप्रदेश के सभी मदरसों और संस्कृत विद्यालयों को निःशुल्क भोजन और गणवेश तथा आकस्मिक निधि के रूप में 5000 रूपये एवं 500 रूपये प्रति शिक्षक दिया जाना चाहिए परंतु मदरसों को तो यह सुविधाएं मिल रही हैं किंतु संस्कृत विद्यालयों को यह सारी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं संस्कृत विद्यालयों की भारत की संस्कृति में महति भूमिका है जबकि मदरसे संदिग्ध गतिविधियों के केंद्र हैं। उक्त ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग की गयी है कि प्रदेश के सभी संस्कृत विद्यालयों को उपरोक्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जावें।

हमारा प्रयास, क्षेत्र के विकास में कोई कमी न रहे : विधायक

गंजबासौदा। ग्राम पंचायत गमाखर में 37.50 लाख की लागत से बनने वाले पंचायत भवन का भूमि पूजन एवं 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण विधायक हरिसिंह रघुवंशी द्वारा किया गया। इस मौके पर विधायक ने कहा की भारतीय जनता पार्टी विकास के लिए हमेशा तत्पर रहती है। पार्टी सिर्फ और सिर्फ विकास के लिए कार्य करतीं हैं। हमारा प्रयास रहेगा की क्षेत्र के विकास में कोई कमी न रहे। भाजपा की सोच हमेशा यही रही है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजना का लाभ पहुंचे।इस कार्यक्रम में जनपद में विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह रघुवंशी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लाखन रघुवंशी, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र मीणा , पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर दुबे , मंडी में विधायक प्रतिनिधि तरुवर सिंह रघुवंशी, रूपेंद्र शर्मा गुड्डा , जनपद सदस्य प्रतिनिधि कपिल रघुवंशी, सरपंच कमल सिंह रघुवंशी, पूर्व जनपद सदस्य भवानी सिंह रघुवंशी सहित ग्रामवासी एवं पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएपी उर्वरक का अवैध परिवहन करने पर व्यापारी के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम. गत दिवास पिपरिया विकासखण्ड के ग्राम सेमरीरंधीर के पास डी.ए.पी. उर्वरक से भरा ट्रक पलटने की घटना हुई, जिसकी जांच उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड-पिपरिया द्वारा करने पर पाया गया कि यह उर्वरक डी.ए.पी. से भरा दुर्घटना ग्रस्त ट्रक क्र. एम.पी.-47 जेड.बी.1931 जयप्रकाश नारायण राठी मे. एग्रो सर्विस सेंटर हरदा द्वारा हरदा रैक प्वाईंट से 590 बोरी भरकर रामदास ट्रेडर्स करकबेल, जिला-नरसिंहपुर जा रहा था, तत्काल उर्वरक को जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया। मामले की विस्तृत जांच के दौरान उर्वरक निरीक्षक पिपरिया द्वारा इस डी.ए.पी. से भरे हुए दुर्घटनाग्रस्त ट्रक की जानकारी उपसंचालक कृषि जिला-नर्मदापुरम को दी गई।

मेट्रो एंकर टाइगर रिजर्व के एक किमी एरिया के गांवों के मवेशियों का होगा वैक्सीनेशन

एक जुलाई से पर्यटकों के लिए 3 महीनों के लिए बंद हो जाएगा टाइगर रिजर्व

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तीन जिले की सीमा में फैले हुए वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व तीन दिन बाद 1 जुलाई से सैलानियों के प्रवेश पर वर्षाकाल के चलते पाबंदी लग जाएगी। अब लोग यहां 1 अक्टूबर के बाद जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकेंगे वन्यजीवों के मिलन के सीजन के साथ ही जंगल के दुर्गम मार्गों और झाड़ियों की वजह से प्रतिवर्ष वन विभाग द्वारा ऐसा किया जाता है। यह पाबंदी 3 माह बाद 1 अक्टूबर को हटाई जाती है जिसके बाद सैलानी अभयारण्य टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी का आनंद लेने पहुंचते हैं। बताया गया है कि टाइगर रिजर्व के लिए यह वर्षाकाल पिछले वर्षों से ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा रहा है वर्षा काल में जंगल की निगरानी उतनी मुस्तैदी से नहीं हो पाती है, जितनी वर्ष के अन्य महीनों में होती है। जंगल में घास, झाड़ियों के घने होने और बरसाती नालों. झरनों की वजह से फिसलन बढ़ने से यहां दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है और दायरे में स्थित गांव के लोगों की आवाजाही भी रुक जाती है वर्तमान में रिजर्व में बाघ-बाघिन की संख्या 25 है उधर अभयारण्य में सीमित संसाधन बाघ बाघिन और शावकों सहित अन्य की निगरानी के लिए कॉलर आइडी नहीं होने की वजह से भी अधिकारी चिंतित है क्योंकि बारिश के दौरान

निगरानी करने में ज्यादा दिक्कत होती है। रिजर्व के अधिकारियों ने बताया कि अभ्यारण्य तीन दिन बाद 3 माह के लिए पर्यटकों के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। वन्यजीवों को बाहरी दखल से बचाने और एकांत उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवर्ष अभ्यारण्यों के कोर एरिया को वर्षाकाल में पूर्ण रूप से बंद किया जाता है। यह वन्यजीवों के मिलन और प्रजनन का भी समय

होता है केवल बफर जोन में ही

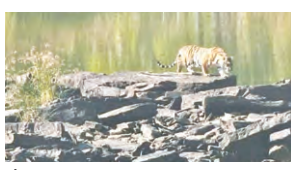

सैलानियों को प्रवेश की अनुमति होती है लेकिन अभ्यारण्य पूरी तरह कोर एरिया में बसा है और इसमें बफर जोन नहीं है। इस वजह से टाइगर रिजर्व में सैलानियों का प्रवेश 1 जुलाई से अक्टूबर तक 3 माह पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। अभ्यारण के अंदर मानसून गश्त होगी। इसके लिए बकायदा रूटचार्ट तैयार हो चुका है और सभी की ड्यूटी लगा दी गई है। इस दौरान हर बीट में गश्त होगी और गश्त के दौरान हर जानकारी का 5 डेटा रखा जाएगा और संदिग्ध गतिविधियां मिलने पर जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाएगी। वहीं इस बीच टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने वन्य जीवों को बरसात के मौसम में होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव पर काम शुरू कर दिया है। बफर जोन में विचरण करने वाले गाय, बैल, भैंस जैसे मवेशियों से वन्य जीवों में बीमारी फैलने का खतरा रहता है दरअसल, बरसात में मवेशियों में एफएमडी यानी फुट एंड माउथ डिजीज होती है।

इस बार बढ़े सैलानी, लेकिन अनुमान से कम

वहीं टाइगर रिजर्व में वर्ष 2024-25 में अक्टूबर से मई के बीच कुल 1610 पर्यटक पहुंचे, जबकि पिछले सीजन में यह संख्या लगभग 1200 थी। हालांकि, इस बार अनुमान था कि यह आंकड़ा 2000 से अधिक पहुंचेगा, लेकिन वह पूरी नहीं हो सका इसके पीछे प्रचार-प्रसार की कमी, अधोसंरचना और गाइडलाइन की अस्पष्टता को कारण माना जा रहा है।

प्रदेश का 7 वा और देश का54 वा टाइगर रिजर्व

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व प्रदेश का 7वां और देश का 54वां टाइगर रिजर्व है। यहां वर्तमान में 23 से25 बाघ हैं कुछ महीने पहले बाघिन एन-112 ने 4 शावकों को जन्म दिया था। टाइगर रिजर्व दमोह सागर और नरसिंहपुर जिले की सीमा में फैला हुआ है। कोर क्षेत्र 1414 वर्ग किमी, बफर क्षेत्र 925.120 वर्ग किमी है।

इनका कहना है

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर एए अंसारी ने बताया कि 30 जून से टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए बंद होने के बाद वैक्सीनेशन का काम से शुरू होगा। बफर जोन से लगे गांवों के मवेशियों के जंगल में आने से इनसे दूसरे वन्य जीवों में बीमारी फैलने का डर रहता है

सचिव, सरपंच का कारनामा, भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम पंचायत गरेंठा

सरपंच ने सचिव की मिलीभगत से अपने पुत्रों के खाते में 11 लाख से अधिक जमा करवाए!

सईद खान (सिरोंज), दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत सिरोज अंतर्गत आने वाली भ्रष्टाचार में लगभग सभी लिप्त ग्राम पंचायतें भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है उन्हीं ग्राम पंचायतों में से एक ग्राम पंचायत है गरेंठा यहां सरपंच ने सचिव की मिली भगत से अपने दूसरे पुत्र केशव राजपूत के खाते में 5 लाख 73 हजार 9 सौ की राशि डालकर आहरण कर लिया है जो कि वित्तीय नियमों के विरुद्ध है,और सरपंच सचिव का यह कृत्य वित्तीय अनियमिता को दर्शाता है। बावजूद इसके कार्यवाही करने के स्थान पर जनपद में बैठे हुऐ अधिकारी भी मूक दर्शक बने हुऐ हैं, अधिकारीयों की यह लापरवाही भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिवों को बढ़ावा दे रही है।

ग्राम पंचायत द्वारा किये गये भुगतानों का विवरण

(1) बिल दिनांक 13/02/25 में बिल न.1 बिल राशि का 37 हजार रुपये रेत का केशव राजपूत को भुगतान किया गया।
(2) बिल दिनाँक 13/02/25 को बिल क्रमांक 11 राशि 80 हजार 5 सौ रुपये रेत गिट्टी का केशव राजपूत को भुगतान किया गया
(3) बिल दिनाँक 28/01/25 को बिल कमांक 21 से राशि 10 हजार रुपये साफ सफाई का केशव राजपूत को भुगतान किया सरपंच सचिव ने मिलीभगत सरपंच के पहले पुत्र बैंक खाते 5 लाख 65 हजार 5 सौ रुपये वही दूसरे पुत्र के बैंक खाते में 5 लाख 73 हजार 9 सौ डाल कर निकाले राजपूत को भुगतान किया गया है,
(4) बिल दिनांक 28/01/25 में विल न. 33 बिल राशि का 16 हजार रुपये टेंट कुर्सी का केशव राजपूत को भुगतान किया गया, (5) बिल दिनाँक 26/08/24 को बिल क्रमांक 31 राशि 25 हजार रुपये मिठाई का केशव राजपूत को भुगतान किया गया।
(6) बिल दिनाँक 03/07/24 को बिल क्रमांक 3 से राशि 76 हजार रुपये रेत का केशव राजपूत को भुगतान किया गया,
(7) बिल दिनांक 25/05/24 में विल न.10 बिल राशि 28 हजार रुपये गिट्टी का केशव राजपूत को भुगतान किया गया।
(8) बिल दिनांक 27/08/23 को बिल क्रमांक 36 बिल राशि 14 हजार 4 सौ रुपये साफ सफाई मजदूरी का केशव राजपूत को भुगतान किया गया।
(9) बिल दिनाँक 14/06/23 को बिल क्रमांक 81 से बिल राशि 41 हजार रुपये रेत का केशव राजपूत को भुगतान किया गया, (10) बिल दिनांक 19/05/23 में बिल न.13 बिल राशि का 60 हजार रुपये रेत गिट्टी का केशव राजपूत को भुगतान किया गया। (11) विल दिनाँक 19/05/23 को बिल क्रमांक 26 बिल राशि 60 हजार रुपये रेत गिट्टी का केशव राजपूत को भुगतान किया गया,
(12) बिल दिनाँक 01/05/23 को बिल क्रमांक 17 से बिल राशि 48 हजार रुपये सीमेंट का केशव राजपूत को भुगतान किया गया।
(13) बिल दिनांक 01/05/23 में विल न. 15 विल राशि का 9 हजार रुपये साफ सफाई का केशव राजपूत को भुगतान किया गया,
(14) बिल दिनाँक 02/01/23 को बिल क्रमांक 19 बिल राशि 15 हजार रुपये साफ सफाई का केशव राजपूत को भुगतान किया गया।
(15) बिल दिनाँक 01/01/23 को बिल क्रमांक 66 से बिल राशि 12 हजार रुपये नाली सफाई का केशव राजपूत को भुगतान किया गया,
(16) बिल दिनांक 05/09/22 में विल न. 56 विल राशि का 18 हजार रुपये साफ सफाई का केशव राजपूत को भुगतान किया गया।
(17) बिल दिनाँक 05/09/22 को बिल क्रमांक 63 बिल राशि 12 हजार रुपये नाली सफाई का केशव राजपूत को भुगतान किया गया,
(18) बिल दिनाँक 05/01/22 को बिल क्रमांक 41 से बिल राशि 4 हजार रुपये साफ सफाई का केशव राजपूत को भुगतान किया गया। अगर यूंही चलता रहा ग्राम पंचायतों में तो विकास कार्यों की जगह सिर्फ भ्रष्टाचार ही नजर आयेगा।

एमपी नगर में कीचड़ और घुटनों घुटनों पानी में से निकलने मजबूर रहवासी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर में अवैध रूप से कॉलोनी काटकर प्लांट विक्रय कर दिए हैं। विकास के नाम पर कुछ भी नहीं करवाया गया इस वजह से एमपी नगर कलोनी का नज़ारा बारिश के बाद ऐसा लग रहा है कि शहर नहीं गांव की तस्वीर हो यहां के रहवासियों को कीचड़ में सराबोर होकर आना जाना पड़ रहा है। पानी के कारण और भी हालत खराब हो गई है घुटनों घुटनों से ऊपर पानी भर गया है इस वजह से बच्चों को आने-जाने में और भी ज्यादा परेशानी हो रही है। इन कॉलोनी में रहने वाले लोगों को इतनी बड़ी सजा क्यों दी जा रही है जिस व्यक्ति ने अवैध रूप से कॉलोनी काटकर जनता को चुन लगाया और सरकार को भी नुकसान पहुंचाने कार्य किया है उक्त कॉलोनाइजर्स पर प्रशासन को कड़ी करवाई करके रहवासियों को सुविधाएं प्रधान करनी चाहिए साथ अवैध कॉलोनी बालों पर प्रकरण भी दर्ज करवाना होगा तभी इसमें सुधार होगा नहीं तो इस तरह की और भी तस्वीर नगर में देखने को मिलेगी। एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि संबंधि कॉलोनी नाइजर से बात करके आम जनता को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्य करेंगे और अवैध कालोनी काटने पर कार्रवाई भी की जाएगी ।

मात्र एक पेड़ की प्रेरणा से घर आंगन में लगाए 200 पौधे

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

पर्यावरण सतुलन और शुद्ध हवा के लिए पौधा लगाना बेहद आवश्यक है और यह बात वही समझ सकता है जिसने जीवन में कभी एक पौधा भी लगाया हो और फिर बच्चे की तरह उसकी देखभाल की हो दरअसल तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत नरगुवा के आश्रित ग्राम खकरिया कला में रहने वाले विजय घोषी उर्फ (पप्पू) ने सात साल पहले सिर्फ एक पौधा लगाया और इसके बाद उन्हें ऐसी प्रेरणा मिली कि उन्हें पौधौं से लगाव हो गया और आज उन्होंने अपने घर के आंगन में खाली पड़ी जमीन में 20 से भी ज्यादा पौधों को लगा दिया और बच्चों की तरह उनकी देखभाल कर रहे हैं सभी पौधे फलदार और हवा देने वाले है जिसमें फल भी आ चुके हैं और कुछ पौधे में फल भी लगने वाले हैं साथ ही कुछ पेड़ बिना फल वाले हैं जो शुद्ध हवा व छांव दे रहे हैं विजय घोषी ने बताया कि वह अपनी दिनचर्या के समय निकालकर दोनों टाइम पौधों एवं पेड़ों की देखभाल कर रहे हैं और टाइम पर पौधों पर पानी दे रहे हैं। उन्होंने सात साल पहले एक पौधा लगाने का विचार किया और उसकी देखभाल करने का जिम्मा भी लिया एक पौधा लगाने के बाद उन्हें लगा कि शायद इससे कुछ नहीं होगा यदि पर्यावरण संतुलन बनाना है तो इस मुहिम को आगे बढ़ाना होगा और उन्होंने अपने घर के आसपास खाली पड़ी जगह में करीब 200 से भी ज्याद फलदार पौधे सात साल के अंदर लगा दिए पौधे अब पेड़ बन चुके हैं और कुछ पौधे हैं जो धीरे-धीरे अपना आकार ले रहे हैं विजय घोषी उर्फ पप्पू ने बताया कि चाहे बच्चे की परवरिश कर लो या फिर एक पौधे की उसी तरह देखभाल करनी पड़ती है। बच्चे और पेड़ को किस समय पर क्या जरूरत उसकी पूर्ति करनी होगी तब जाकर वह हमारे बुढ़ापे का सहारा बनेगा।

इमलानी मार्ग पर ठेकेदार की लापरवाही से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा , पुलिया बनाते समय छोड़ा गैप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आमतौर पर पुलिया बड़ी होती है तथा मार्ग सकरा बनाया जाता है। वहीं इमलानी मार्ग पर ठेकेदार और विभाग के अधिकारियों की लापरवाही देखने को नहीं यहां पर सड़क तो चौड़ी बनाई है पुलिया सकरी कर दी इस वजह से किसी भी दिन इसके कारण दुर्घटना हो सकती या कहे मौत की पुलिया भी है बन सकती है। उक्त मार्ग का निर्माण एमपी आरडीसी विभाग के द्वारा सिरोंज, से इमलानी होते हुए गुरोद मार्ग का निर्माण ठेकेदार के माध्यम करवाया गया है। सड़क बनाते समय गुणवत्ता क आ भी ध्यान नही दिया। साथ ही पुलिया बनाने में बहुत बड़ी लापरवाही सड़क ठेकेदार के द्वारा की गई है इसके कारण किसी भी दिन बड़ी जनहानि भी हो सकती है। इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदार अंजान बने हुए हैं। दुर्घटना होने पर इसका जिम्मेदार कौन होगा इतनी बड़ी लापरवाही सड़क की जांच करने के लिए आए एमपी आरडीसी विभाग की इंजीनियर एसडीओ तथा अधिकारियों ने भी नहीं देखी या फिर आंखें बंद करके ठेकेदारी का भुगतान कर दिया तभी तो पुलिया निर्माण का कार्य अति लापरवाही से किया गया है इसी का परिणाम है कि औपचारिकता पूरी करने के लिए में छोटी पुलिया बनाकर खानापूर्ति की गई है सड़क तो चौड़ी बनीं है पुलिया जरा सी बना दी इसी बीच से 20 फिट तक पुलिया और मार्ग को सकरा कर दिया है दूर से आने वाले वाहन चालकों को पुलिया होने की जानकारी नहीं होती है ना ही गैप नजर आता है एकदम से जब नजर आती है तो इसको बचाना मुश्किल हो जाता खाई सी बनी हुई है इस के चलते किसी दिन इस अनदेखी कर कारण गंभीर घटना भी घटित हो सकती है। रात्रि के समय सबसे ज्यादा हादसा होने के खतरा सकरी पुलिया के बना हुआ है किसी को इसका पता ही नहीं होता है की पुलिया है छोटी है। समय रहते संबंधित विभाग के जिम्मेदारों और ठेकेदार ने इस परेशानी को दूर करने के लिए कदम नहीं उठाया तो यह नुकसानदायक भी साबित होगी इसके बाद कोई घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार भी एमपी आरडीसी विभाग और संबंधित निर्माण एजेंसी माना जाएगा ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार ने पुलिया बनाने के नाम पर खाना पूर्ति करके छोटे सी पुलियाओं का निर्माण किया है बीच में खाई छोड़ दी है जो वाहन चालकों को नजर नहीं आती इसमें वाहन चालक गिरकर दुर्घटना का शिकार हो रहे । सबसे बड़ी लापरवाही तो है कि जिस समय पुलिया कार्य हो रहा था इस दौरान ग्रामीणों ने छोटी पुलिया को लेकर शिकायत पुलिया बनाने वालों से की थी पर उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया इस वजह से यह सभी के लिए परेशानी का कारण बनी ही वैसे आमतौर पर जितने भी मार्ग बने हुए हैं वहां की पुलिया है बड़ी होती हैं पहले मार्ग देखा है कि जहां पर सड़क तो चौड़ी है लेकिन पुलियाएं सकरी बनाई गई है । अब देखना की जिम्मेदार अधिकारी समय रहते इस समस्या के समाधान निकालने के लिए धरातल पर कदम उठाएंगे या फिर हादसा होने के बाद ही कुंभकरण की नींद में से जागेंगे और सकरी पुलियाओं को चौड़ा करके गैप को समाप्त करने के लिए कदम उठाएंगे।

नाली नहीं होने से सड़क टूटने का खतरा

सड़क निर्माण का स्टीमेट बनाते समय एक ओर लापरवाही एमपी आरडीसी विभाग के अधिकारियों के द्वारा बरती गई है। सड़क के दोनों और नालियों का प्रावधान नहीं किया गया है इस वजह से बारिश का पानी भरने से सड़क जगह से क्षतिग्रस्त हो सकती है, इसका खतरा भी बना हुआ है। कम से कम शहर से लेकर जहां तक घनी बस्ती बनी हुई है वहां तक तो नालियों का निर्माण आवश्यक रूप से होना चाहिए था यहां पर पानी हमेशा भरा रहता है बरसात में और ज्यादा एकत्रित होगा नालियों नहीं होने के कारण पानी निकल नहीं पाएगा इस कारण से सड़क के दोनों तरफ जाम रहेगा इस कारण से सड़क जगह-जगह से बैठ भी सकती है। इसलिए इतने क्षेत्र में तो कम से कम नालियों का निर्माण संबंधित विभाग के अधिकारियों को सड़क बचाने के लिए करना होगा।

इनका कहना है

पुलियाएं इतनी छोटी बनाई है कि कभी-भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है यहां से दूर से नज़र नहीं आती है मार्ग तो चौड़ा है पुलियाएं सकरी बनाई है।
-नंदू बना राजपूत ग्रामीण

सड़क के दोनों ओर नालियों का निर्माण नहीं होने से परेशानी हो रही है जल्दी टूट जाएगा।
-अन्नी नगीना नगर वासी

एमपी आरडीसी विभाग के अधिकारियों से बात करके पुलियाओं को चौड़ा करवा कर गैप को भी खत्म करवाएंगे नालियों का प्रावधान नहीं है।
हर्षल चौधरी एसडीएम

अनदेखी-हादसों का कारण बन रहे ओवरलोडिंग वाहन फिर भी कार्रवाई करने से बच रहे जिम्मेदार अधिकारी कई बार हो चुके हादसे

ऑटो चालकों की मनमानी, 3 की जगह बैठा रहे 15 सवारियां

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आटों रिक्शा चालकों की मनमानी से राहगीर परेशान हैं नियमों को ताकपर रखकर ये बेखौफ ओवरलोड सवारियां बैठा रहे हैं इन्हें न तो पुलिस आईटीओ का खौफ है और न ही सवारियों की जान की परवाह है जहां मन मे आया ये अपने वाहन को रोक सवारियां बैठाने लगते हैं कई आटों ऐसे भी दिख जाएंगे जिन पर नंबर तक नहीं है कई तो आटों रिक्शा ऐसे भी जो बिना परमिट ही फर्राटा भर रहे हैं आटों में जहां तीन सवारियां की जगह होती है वहां ये 10 से15 तक लोग बैठाते हैं जिसके चलते कई आटों रिक्शा दुर्घटना का शिकार भी हुए हैं आटों में ओवरलोड सवारियां ले जाने की तस्वीर नगर मुख्यालय से लेकर हर ग्रामीण क्षेत्रों के मार्ग पर दिख जाएंगी लेकिन पुलिस परिवहन विभाग बैठे जिम्मेदारों को ये अनदेखी नजर नहीं आ रही है पुलिस तो सिर्फ कागजी खानापूरी तक ही सीमित है तेन्दूखेड़ा नगर सहित जबलपुर पाटन मार्ग तारादेही मार्ग दमोह मार्ग खकरिया मार्ग जामुनखेड़ा मार्ग सहित ग्रामों की ओर गए मार्गों पर आटों में ओवरलोड सवारियां बैठाने के नजारे तो अब आम हो गए हैं मंगलवार बुधवार को तेन्दूखेड़ा ब्लॉक में एक दो नहीं बल्कि दर्जनों आटों रिक्शा ऐसे दिखे जिनमें बड़ी संख्या में सवारियां बैठी थी गौर करने वाली बात ये है कि आटों पुलिस की नजरों के सामने से भी गुजरते हुए नजर आए हैं पर किसी ने रोकना टोकना जरूरी भी नहीं समझा।

लोग यूं कर रहे खतरों से भरा सफर

नगर मुख्यालय में सामग्रियों एवं अनाज के परिवहन के दौरान भी लोग खतरों से खेलते हुए नजर आते है। लोग, कभी ट्रॉली एवं पिकअप में भरी बोरियों के ऊपर बैठकर सफर करते दिखते हैं तो कभी डाले पर लटककर यात्रा करते हुए दिखाई देते हैं। इन परिस्थितियों में संभावित हादसों को रोकने के लिए प्रशासन, पुलिस व परिवहन विभाग द्वारा अब तक कोई कदम नहीं उठाए गए है। ब्लॉक में तो ऐसे नजारे रोज देख सकते हैं। गौर करने वाली बात ये हैं कि पुलिस द्वारा नियमित वाहनों की चेकिंग अभियान भी नहीं चलाया जाता है। हां इतना जरूर है कि वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का पालन करने के लिए कभी-कभार कार्रवाई कर ली जाती है

नशा कर सड़कों पर दौड़ा रहे वाहन

वहीं दूसरी ओर नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे ओव्हरलोडिंग वाहनों की पुलिस द्वारा भी जांच नहीं की जाती है की कहीं चालक नशे की हालत में है या नहीं उसे छोटे वाहन से लेकर बड़े वाहन चलाने का अनुभव है कि नहीं, योग्यता है कि नहीं, कुछ भी नहीं देखा जाता है ब्रीथ एनालाइजर मशीन का भी कहीं पर उपयोग नहीं किया जाता है। शराब गांजा के नशे में वाहन चालक अंधाधुंध भाग रहे हैं, लेकिन जांच व कार्रवाई कहीं पर होती नहीं दिख रही है, सिर्फ खानापूर्ति के नाम पर चेकिंग अभियान के तहत बाइक सवारों के बिना हेमलेट चेकिंग कर चालान काटे जा रहे हैं और बड़े वाहनों पर कोई नजर नहीं है। जबकि बड़े-बड़े वाहनों के चालक मार्ग से गुजर रहे राहगीर, बाइक सवार, आटो आदि को रौदकर निकल जाते हैं। गौर करने वाली बात ये हैं कि जिम्मेदार इन्हें रोकने कोई ठोस पहल नहीं कर रहे हैं। पुलिस और परिवहन विभाग नगर प्रशासन बेपरवाह बना हुआ है

मालवाहक और कृषि वाहनों में भी सवारियां ढोने से बाज नहीं आ रहे

तेंदूखेड़ा ब्लॉक में ऑटो ही नहीं बल्कि मालवाहक वाहन, कृषि वाहन सहित अन्य व्यवसायिक उपयोग में आने वाले वाहनों के चालकों द्वारा भी यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। आरटीओ से व्यवसायिक उपयोग के लिए परमिट लेकर मालवाहक वाहन, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से भी सवारियां ढोने का काम किया जा रहा है। ये नजारे नगर में हर दिन देखने को मिल जाएंगे। पूर्व में कई हादसे भी हो चुके हैं, पर जिम्मेदारों की कार्रवाई सिर्फ दिखावा साबित हुई

नपा ने रैली निकाल कर नशामुक्ति का दिया संदेश, न करें और न दूसरों को करने दें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अंतराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर नगरपालिका प्रशासन ने नशा मुक्ति का संदेश देते हुए आमजन को नशे के दुष्परिणाम के प्रति सचेत करके जन जागरूकता लाने एवं नशा मुक्ति रैली नगर पालिका कार्यालय से प्रारंभ हुई जो शहर के मुख्य बाजार से होते हुए कठाली बाजार पहुंचकर संपन्न हुई इस दौरान नशा मुक्ति को लेकर नुक्कड़

सभाओं के माध्यम से नगरवासियों को नशे के व्यसनों से दूर रहकर स्वस्थ समाज निर्माण करने का आग्रह किया। रैली को नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने नशा मुक्ति अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया नपा में विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव ने नशामुक्ति के संदर्भ में युवा पीढ़ी को इसके अवगुणों के बारे में विस्तार से बताया। टॉकीज चौराहे पर नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ तथा चांदनी चौक में सचिन शर्मा ने भी स्वस्थ समाज के निर्माण में युवा पीढ़ी को नशा मुक्त रहने की हिदायत देते हुए कहा कि आजकल परिवारों की अनदेखी और अपने बच्चों के सामान्य व्यवहार के बदलाव के लक्षणों को देखना चाहिए। रैली के समापन पर नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने नागरिकों से अपने बच्चों के सामने बीड़ी सिगरेट,गुटखा धूमपान न करने का आग्रह किया।

एजबेस्टन में 58 सालों से जीत का इंतजार, क्या खत्म होगा सूखा?

टीम इंडिया की राह आसान नहीं!, वापसी की कोशिश करेंगे गिल

बर्मिंघम, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम फिलहाल इंग्लैंड दौर पर हैं, जहां वो मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की ब्लॉकबस्टर टेस्ट सीरीज में व्यस्त है। इस टेस्ट सीरीज का शुरुआती मुकाबला लीड्स में खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम को 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। अब दोनों टीमों 2 जुलाई (बुधवार) से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर आमने-सामने होंगी।

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम इस मुकाबले के जरिए टेस्ट सीरीज में वापसी की कोशिश करेगी, लेकिन ये उतना आसान नहीं रहने वाला है। वैसे भी टीम इंडिया के लिए यह मैदान किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। इस मैदान पर भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में अब तक एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है।

बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर भारतीय टीम ने अब तक 8 टेस्ट मैच खेले हैं, जो मेजबान इंग्लैंड के ही खिलाफ रहे। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अपना पहला टेस्ट जुलाई 1967 में खेला था, जिसमें उसे 132 रनों से हार मिली थी। तब से अब तक भारत इस मैदान पर टेस्ट मैच नहीं जीता है। यानी इंतजार 58 सालों से ये इंतजार जारी है।

भारतीय टीम एजबेस्टन में 7 टेस्ट मैच हारी है, वहीं एक मुकाबला ड्रॉ पर छूटा था, जो जुलाई 1986 में कपिल देव की कप्तानी में भारत ने खेला था। जब इस मैदान पर आखिरी बार (जुलाई 2022) दोनों टीमें भिड़ी थीं, तो जसप्रीत बुमराह ने भारतीय टीम की अगुवाई की थी। उस मुकाबले में भारतीय टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

एजबेस्टन में भारत-इंग्लैंड के बीच सभी टेस्ट मैचों के नतीजे

- 13-15 जुलाई 1967 : टीम इंडिया को 132 रनों से हार मिली
- 4-8 जुलाई 1974 : भारतीय टीम पारी और 78 रनों से हारी
- 12-16 जुलाई 1979 : टीम इंडिया की पारी और 83 रनों से हार
- 3-8 जुलाई 1986 : ड्रॉ
- 6-9 जून 1996 : भारतीय टीम को 8 विकेट से हार मिली
- 10-13 अगस्त 2011 : टीम इंडिया पारी और 242 रनों से हारी
- 1-4 अगस्त 2018 : भारतीय टीम को 31 रनों से हार मिली
- 1-5 जुलाई 2022 : टीम इंडिया 7 विकेट से हारी

...क्या खत्म होगा 58 सालों का सूखा?

टीम इंडिया इस बार एजबेस्टन में इतिहास बदलने के इरादे से उतरेगी, लेकिन इंग्लैंड की बैजबॉल क्रिकेट से तभी पार पाया जा सकता है जब भारतीय टीम की गेंदबाजी क्लिक करेगी। हालांकि भारतीय टीम के लिए अच्छी बात यह है कि कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत शानदार लय में हैं। ये चारों खिलाड़ी एजबेस्टन में भी बल्ले से धमाल मचाना चाहेंगे। भारत इस बार 58 सालों का सूखा खत्म कर पाएगा या नहीं, इसका जवाब बुधवार से शुरू होने वाले एजबेस्टन टेस्ट मैच में जरूर मिलेगा।

हार का पोस्टमार्टम

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

शुभमन गिल की कप्तानी के करियर की शुरुआत हार के साथ हुई है। बैजबॉल क्रिकेट के सरताज इंग्लैंड ने यंग टीम इंडिया के हाथ से हेडिंग्ले टेस्ट में जीत छीन ली। ऐसा माना जा रहा है कि इस हार की वजह टीम इंडिया की खराब फील्डिंग रही है,लेकिन अगर हम बारीक नजर डालें तो फिर पूरे आईपीएल में भी टीम इंडिया के खिलाड़ियों की फील्डिंग का यही स्तर देखने को मिला था।गौरतलब है कि इस साल आईपीएल में भी तमाम दिग्गज खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड तोड़ कैच छोड़े हैं।भले ही टीम इंडिया की हार का पोस्टमार्टम करने वाले तमाम दिग्गजों की नजर में मैच के कई विलेन बताये जा रहे हैं,जिसमें ज्यादातर फील्डर की भूमिका और लोअर आर्डर की नाकाम बल्लेबाजी यहां तक की एकादश के चयन में चूक कही जा रही है।कुछ हद तक तो यह सही हो सकती है है,लेकिन मेरे नजरिये में इस हार की मुख्य वजह खिलाड़ियों का आईपीएल की मानसिकता से हटकर टेस्ट फॉर्मूले में एडजस्ट नहीं कर पाना रही है। लगातार 2 माह तक त्यौहारी क्रिकेट खेलने के बाद इंग्लैंड की अलग अंदाज की परिस्थितियों में इस खेल के सबसे अहम फॉर्मेट के लिए खिलाड़ी मानसिक रूप से तैयार नजर नहीं आये। शायद इसी वजह से टॉप आर्डर के बल्लेबाजों की 5 शतकीय धमाकेदार पारियों के बावजूद टीम इंडिया को लीड्स टेस्ट मैच में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है।टेस्ट इतिहास में यह पहली बार था कि कोई टीम मैच में पांच शतक के बावजूद हार गई।वैसे भले ही इस हार के साथ गिल की अगुवाई वाली गंभीर सेना सीरीज में 1-0 से पिछड़ गयी है,लेकिन सच तो यह है कि सीरीज के आगाज वाले इस मैच में टेस्ट क्रिकेट की जीत हुई है।दरअसल आजकल की फटाफट वाली क्रिकेट के युग मे जब कोई भी टेस्ट मैच का रिजल्ट आखिरी दिन के अंतिम सत्र में निकल कर आता है तो फिर सही मायने में किसी टीम विशेष की जीत हार से अधिक टेस्ट क्रिकेट की जीत कही जा सकती है।यह बात इसलिए भी कही जा सकती है क्योंकि मौजूद समय में 5 दिनों तक चलने वाले टेस्ट मैच कम देखने को मिलते हैं।अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि टेस्ट मैचों में हेड कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल में लगातार मिल रही हार को जीत की पटरी पर लाने के लिए टीम मैनेजमेंट कौनसा फार्मूला अपनाती है। इंग्लैंड दौरे पर गयी टीम इंडिया के लिए ऐसा माना जा रहा था कि टीम की गेंदबाजी बल्लेबाजों की तुलना में ज्यादा ताकतवर दिख रही थी,लेकिन पहले ही टेस्ट में इंग्लैंड के बल्लेबाजो ने बुमराह की मौजूदगी में भारतीय गेंदबाजी को बौना साबित कर दिया।वहीं अगर बुमराह वाकई में मात्र 3 टेस्ट मैचों में मैदान में उतरते हैं तो फिर इस चैंपियन गेंदबाज की भरपाई करना टीम मैनेजमेंट के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहेगी।अब टीम इंडिया 2 जुलाई को एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड से भिड़ेगा,चूंकि मैच के पहले बुमराह को 7 दिनों का आराम मिल रहा है तो फिर कम से कम दूसरे टेस्ट मैच तो उनका खेलना तय है।मतलब साफ है कि टीम इंडिया की सीरीज में वापसी के लिहाज से यह मैच बेहद अहम रहने वाला है।पहले टेस्ट मैच में शानदार खेल के बाद मिली हार से सबक लेकर इस टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसके आईपीएल टेंपरामेंट को टेस्ट फॉरमेट में बदलना ही रहेगी।वहीं अगर टीम इंडिया दूसरे टेस्ट मैच में बड़ा उलटफेर करने में नाकाम रहती है तो फिर पहले मैच की हार के बाद पोस्टमार्टम का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह किस छोर तक जायेगा इसका अनुमान लगाना आसान नहीं है।

कार्लसन के साथ 9 साल के आरित ने ड्रॉ खेला

भारत के वी प्रणव बने चैंपियन, अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे में किया कारनामा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के 19 साल के गुकेश के बाद अब 9 साल के आरित कपिल ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रॉ खेला है। दिल्ली के आरित ने कार्लसन को ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे में ड्रॉ पर रोक दिया।

आरित ने पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन के हर मूव का शानदार जवाब दिया और उन्हें पूरी तरह हार की स्थिति में पहुंचा दिया था। हालांकि, मैच के आखिरी पलों में आरित के पास समय बहुत कम बचा था। सिर्फ कुछ सेकंड बचे होने के कारण वह अपनी बढ़त को जीत में नहीं बदल सके और मुकाबला ड्रॉ हो गया।

हाल ही में डी गुकेश का सामना करते हुए जब मैग्नस कार्लसन को हार मिली थी, तो उन्होंने अपनी झल्लाहट को खेल की मेज पर दिखाया था। हाथ पटककर उन्होंने सारे मोहरे गिरा दिए और चेस रूम से बाहर चले गए। वहीं, आर प्रागननंदा 16 वर्ष की उम्र में कार्लसन का हरा चुके हैं।

कार्लसन को शतरंज इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे 2013 से 2023 तक वह वर्ल्ड चैंपियन रहे हैं। उन्होंने क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज तीनों फॉर्मेट में वर्ल्ड खिताब जीते हैं। नॉर्वे के इस दिग्गज खिलाड़ी को मात देना या उनके खिलाफ ड्रॉ निकालना किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि होती है, और नौ साल के आरित ने यह कर दिखाया।

भारत के वी. प्रणव बने विजेता

वहीं इस टूर्नामेंट में भारत के ही वी. प्रणव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 में से 10 अंक हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस मोके नीमन और मैग्नस कार्लसन दोनों ने 9.5 अंक प्राप्त किए, लेकिन टाईब्रेक के आधार पर नीमन को दूसरा स्थान मिला।

ब्रिजटाउन टेस्ट: ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 180 पर ऑलआउट

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया मैच के पहले दिन बुधवार को पहली पारी में 180 रन पर ऑलआउट हो गई। दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने 4 विकेट खोकर 57 रन बना लिए हैं। ब्रैंडन किंग (23) और कप्तान रोस्टन चेज (1) नाबाद लौटे।

चार बल्लेबाज ही छू सके दहाई का आंकड़ा – ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का पहली पारी में काफी निराशाजनक

प्रदर्शन रहा। टीम के केवल चार बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। ट्रेविस हेड 59, उस्मान ख्वाजा 47, कप्तान पैट कमिंस 28 और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने 11 रन बनाए। सील्स 5 और जोसेफ ने 4 विकेट लिए वेस्टइंडीज की तरफ से पहली पारी में जेडन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी की। सील्स अपने 15.5 ओवरों के स्पेल में पांच विकेट झटके। जबकि जोसेफ ने 16 ओवरों के स्पेल में चार विकेट लिए। इन दोनों गेंदबाजों के अलावा जस्टिन ग्रीव्स ने एक विकेट हासिल लिया। वेस्टइंडीज की भी शुरूआत अच्छी नहीं रही। ओपनर क्रैग ब्रैथवेट (4) और जॉन कैंपबेल (7) जल्दी पवेलियन लौट गए।

मनोरंजन
बॉलीवुड का कोना

मल्लिका शेरावत ने जैकी चैन के साथ शेयर की खास तस्वीरें, लिखा- मैं बहुत भाग्यशाली हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने फिल्म द मिथ में एक साथ काम किया था। आज एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया हैंडल पर जैकी चैन के साथ कई खास तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही मल्लिका ने एक खास नोट भी शेयर किया है।

मल्लिका शेरावत ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी जैकी चैन के साथ कई शानदार तस्वीर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली और बहुत आभारी महसूस करती हूं कि जैकी चैन हमारी फिल्म द मिथ में मेरे सह-कलाकार थे। उनके साथ काम करना एक परिवर्तनकारी अनुभव था - न केवल उन्होंने मुझे सिखाया कि कैसे शानदार और सटीक तरीके से एक्शन सीक्वेंस करना है, बल्कि उन्होंने ऐसे दरवाजे भी खोले जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा उनके मार्गदर्शन और दयालुता के लिए आभारी रहूंगी। द मिथ 2005 की मार्शल आर्ट फंतासी फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन स्टेनली टोंग ने किया है। स्टेनली, हाइशू और वांग हुई-लिंग के साथ मिलकर फिल्म लिखी है। यह फिल्म जैकी चैन द्वारा निर्मित है। हांगकांग-चीनी सह-निर्माण में बनी इस फिल्म में चैन के साथ टोनी लेउंग का-फई, किम ही-सन और मल्लिका शेरावत नजर आईं। द मिथ के बाद फिल्म के दो सीक्वल आए, जिनका नाम कुंग फू योगा और ए लीजेंड है।

सरदार जी 3 पर बवाल के बीच मीका सिंह की डिमांड- माफी मांगें दिलजीत दोसांझ

फिल्म सरदार जी 3 का ट्रेलर जबसे रिलीज हुआ है, तभी से इसपर कॉन्ट्रोवर्सी हो रही है। वो इसलिए क्योंकि इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर हैं। FWICE ने भी फिल्म की रिलीज और कास्टिंग पर सवाल खड़े किए हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, दिलजीत दोसांझ के हानिया संग काम करने पर भी नाराजगी जताई है।

दिलजीत से जब इस कॉन्ट्रोवर्सी पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा था कि इस फिल्म की शूटिंग पहलगाम अटैक से पहले पूरी हो गई थी। बता दें कि फिल्म कब रिलीज हो रही है, इसपर मेकर्स की ओर से कोई अपडेट नहीं है। पर दिलजीत को काफी आलोना झेलनी पड़ रही है।

मीका सिंह, बी प्राक, गुरु रंधावा, कुछ पंजाबी सिंगर्स हैं जो दिलजीत से खफा हैं। मीका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दिलजीत के लिए कहा था कि उन्होंने गलती की है। अगर वो माफी मांग लेते हैं तो सबसे बड़ी बात होगी। हाल ही में आजतक चैनल संग एक्सक्लूसिव बातचीत के दौरान भी मीका ने अपनी बात रखी। मीका ने कहा- पहली बात तो मैं ये बोलूंगा सभी लोगो को जो दिलजीत के फैन हैं कि बहुत ही प्यारा लड़का है। कई बार हम सभी से गलती हो जाती है। पर अगर वो माफी मांग लें। और लोगों को बता दें कि फिल्म पहले से ही शूट हो चुकी थी तो सही रहेगा। आपने सीधा उसका ट्रेलर भी लॉन्च कर दिया। इतना विवाद यहां हो गया है। पहली बात तो दिलजीत को सामने आने की जरूरत नहीं है।

वाणी-फवाद की फिल्म अबीर गुलाल पर मीका ने कही ये बात

मीका ने कहा कि अभी वाणी कपूर और फवाद की मूवी कोई रिलीज होने वाली थी, उसके लिए भी मैंने बोला था। ये तक कहा था कि उनका म्यूजिक भी रिमूव होना चाहिए। जो चीज गलत है वो गलत है। मैं दिलजीत के अगेंस्ट नहीं हूं। जब पहलगाम अटैक हुआ था तो हानिया ने अपने देश को सपोर्ट किया था। उसने अपने देश का स्टैंड लिया था। 100% उसने अपने देश को प्रोमोट करा, आप भी करो न यार, आप भी एनडीए की साइड लो। देश पहले है। वो सामने आकर कुछ बोल ही नहीं रहे हैं। न पोस्ट डाल रहे हैं। या तो इनका ये पब्लिसिटी स्टंट है। आप माफी मांग लो। समय ऐसा है, धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा। मानता हूं कि नुकसान हो जाएगा, लेकिन आप अगर फिल्म के ट्रेलर से पहले बता देते तो शायद इतना बवाल होता ही नहीं।

मेट्रो बाजार

सोना सस्ता हुआ चांदी के दाम में तेजी, सोना 127 रुपये गिरकर 97030 पर आया

नई दिल्ली। सोने के दाम में 26 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 127 रुपये गिरकर 97,030 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 97,157 पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,325 बढ़कर ?1,06,525 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये ?1,05,200 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने ?99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इस साल अब तक 20,983 महंगा हुआ सोना – इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,868 रुपए बढ़कर 97,030 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 20,805 रुपए बढ़कर 1,06,525 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

इस साल 1 लाख 3 हजार तक जा सकता है सोना – केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि अभी भी जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है।

रेपो दर में 0.50 फीसदी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएं सभी बैंक: आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि सभी बैंकों को नीतिगत दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक तेजी से पहुंचाते हुए कर्ज को सस्ता करना चाहिए। केंद्रीय बैंक ने इसी महीने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.50 प्रतिशत घटाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। रिजर्व बैंक के जून बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में इस बात पर जोर दिया गया है कि दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए वित्तीय स्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। अधिकांश बैंक फरवरी और अप्रैल में घोषित दरों में कटौती का लाभ अपने ग्राहकों तक पहले ही पहुंचा चुके हैं।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और एचडीएफसी बैंक सहित कई बड़े बैंक छह जून को आरबीआई द्वारा रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की भारी कटौती के कुछ ही दिन के भीतर अपनी मानक ऋण दर से जुड़ी ब्याज दर में इतनी ही कटौती कर चुके हैं। इसी महीने रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती के अलावा, आरबीआई ने वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान चरणबद्ध तरीके से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में एक प्रतिशत की कटौती करके इसे शुद्ध मांग और सावधि देयताओं (एनडीटीएल) के तीन प्रतिशत तक लाने की घोषणा की थी। रिजर्व बैंक के जून, 2025 के बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' विषय पर प्रकाशित लेख में कहा गया, वित्तीय स्थितियां ब्याज दर में कटौती का लाभ ऋण बाजार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं।

जीआरपी की टीम ने किया सनसनीखेज हत्या का खुलासा, चरित्र संदेह में हत्या

रेलवे ट्रैक के पास पत्नी से बनाए शारीरिक संबंध फिर चलती मालगाड़ी के नीचे फेंका

मालगाड़ी गुजरने के बाद पहचान छिपाने कटा सिर उठाकर खेतों की तरफ भागा पति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जीआरपी इटारसी की टीम ने शादी के महज तीन साल बाद ही पत्नी की हत्या करने वाले पति को गिरफ्तार कर लिया। इति शातिराना हरकत से पत्नी की हत्या की गई कि खुलासा करने वाली टीम के भी होश उड़ गए। आरोपी ने पहले शराब पी फिर पत्नी से शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। पत्नी की पहचान और हत्या छिपाने की गरज से आरोपी ने लाश चलती मालगाड़ी के तीसरे चौथी डिब्बे के बीच फेंक दी। अब भी वारदात पूरी नहीं हुई तो आरोपी ने मालगाड़ी गुजरने के बाद धड़ से अलग हुए सिर को उठाया और रेलवे ट्रैक के बगल में जंगल की तरफ दौड़ लगा दी। इसी बीच टार्च की रोशनी पड़ी और खतरा भांपकर आरोपी भाग निकला। इस अंधे कत्ल का खुलासा जीआरपी की टीम ने सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल पर मिली महिला की चप्पल, बालों के क्लेचर से करते हुए आरोपी को दबोच लिया है।

एसपी रेल ने बताया, 16 जून को पगढाल, रेलवे स्टेशन से कर्नाटका एक्सप्रेस पास होने का टाइम हुआ। स्टेशन मास्टर ने ट्रेन को रेलवे ट्रैक पर देने ट्रैक चेंज की, लेकिन ट्रैक चेंज नहीं हुई। पाइंट्समैन को चेजिंग पाइंट पर भेजा। पाइंट्समैन ने देखा तो दो पटरियों के बीच अज्ञात महिला का हाथ फंसा था, जबकि पास ही क्षत-विक्षत अवस्था में शव पड़ा था। स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को सूचना दी। जीआरपी मौके पर पहुंची और शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। घटनास्थल देखने के बाद जीआरपी को संदेह हुआ। टीम का गठन कर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान रेलवे ट्रैक से पचास मीटर दूर महिला के कपड़े और दो पन्नी और जेवर का खाली पैकेट और महिला के बचपन का फोटो मिला। पुलिस ने महिला के शिनाख्त के प्रयास किए। पगढाल रेलवे स्टेशन पर केवल भुसावल कटनी पैंसेजर रुकती है। जीआरपी की टीम में शामिल कांस्टेबल राम लोवंशी और आरक्षक तृप्ती ठाकुर को भुसावल स्टेशन भेजा गया। वहां दोनों ने सीसीटीवी कैमरे चैक किए। इतने सारे यात्रियों के बीच मृतिका की पहचान करना मुश्किल था। कैमरा जूम करने के बाद राम और राम और तृप्ती की नजर महिला के बाल और क्लेचर और चप्पल पर पड़ी। घटनास्थल पर मिली चप्पल और क्लेचर के आधार पर महिला और उसकी पति की पहचान कर ली गई, लेकिन यह नहीं पता था कि वह कौन है। मालगाड़ी के नीचे फेंका आरोपी ने बताया कि शारीरिक संबंध बनाने के बाद पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इस दौरान मालगाड़ी गुजरी।

सूरत के उधना पहुंची जीआरपी

घटनास्थल पर मिली दो पन्नी और ज्वैलरी के खाले पैकेट के आधार पर उधना, सूरत के लिए हेड कांस्टेबल रानू अतुलकर और कांस्टेबल बलवंत पहुंचे। वहां पचास से ज्यादा दुकानदारों से बातचीत की। इधर ज्वैलर्स के पैकेट में मिले ज्वैलर्स के नंबर पर पुलिस ने संपर्क किया और मृतिका का हुलिया और घटनास्थल पर मिला पुराना पास्पोर्ट फोटो भेजा गया। ज्वैलर्स और उधना मार्केट में पता करने पर मृतिका की शिनाख्त रागिनी कुमारी पति रूपेश यादव (22) सालिग्राम, बेगुसराय के रूप में कर ली गई। सूरत के न्यू बांबे बाजार में पता चला कि आरोपी रूपेश यादव यहां साड़ियों की गठान उठाने का काम करता था। पुलिस की टीम ने बेगुसराय से रूपेश को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया। उससे पूछताछ में चौकाने वाला खुलासा किया गया। रूपेश ने बताया कि सूरत से वह 15 जून को भुसावल आया और एक दिन पत्नी के साथ वहां रुका। अगले दिन 16 जून को उसने भुसावल से कटनी भुसावल-कटनी पैंसेजर पकड़ी और योजना के तहत पगढाल स्टेशन पर पत्नी को लेकर उतर गया। शुरुआती सिग्नल के पास वह पत्नी को रेलवे ट्रैक किनारे लेकर पहुंचा। वहां शराब पी और पत्नी से शारीरिक संबंध बनाए।

पूजा करते समय साड़ी में आग, 74 साल की बुजुर्ग की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सुभाष कॉलोनी में आग से झुलसने के कारण 74 साल की बुजुर्ग की मौत हो गई। वे पूजा करते समय दीप से झुलस गई?थी। घटना गत 18 जून की रात करीब 8 बजे की है। दीप से कपड़ों में आग लगने के बाद बुरी तरह से झुलसी बुजुर्ग को परिजन ने एम्स में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान बीती रात उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार शिवकली मिश्रा पति शिव कुमार मिश्रा (74) सी-85, सुभाष नगर अशोका गार्डन में रहती?थी। परिजन ने बताया कि गत 18 जून की रात करीब आठ बजे वह घर में पूजा कर रही?थी। इसी दौरान दीप प्रज्वलित करते समय कपड़ों में आग लगने से वह झुलस गई। परिजन ने उनके कपड़ों पर लगी आग बुझाने के बाद हमीदिया अस्पताल पहुंचाया?था। वहां से एम्स ले आए। एम्स में इलाज के दौरान कल गुरुवार देर रात करीब पौने दो बजे उनकी मौत हो गई।

युवती की जेब से निकाला मोबाइल फोन

भोपाल। भोपाल निवासी नीलम यादव रिजर्वेशन और पार्सल की जानकारी लेने के लिए रानी कमलापति स्टेशन पहुंची थी। प्लेटफार्म टिकट लेकर ओवरब्रिज होकर वह प्लेटफार्म क्रमांक एक की तरफ जा रही थी, तभी किसी ने उनकी पैंट की साईड वाली जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 27 हजार रुपए बताई गई है। इधर अकोला महाराष्ट्र निवासी लक्ष्मीकांत छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में नागपुर से व्यास पंजाब की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान वह अपना मोबाइल पर फोन सीट पर रखकर सो गए थे। रानी कमलापति स्टेशन आने से पांच मिनट पहले देखा तो 15 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो चुका था।

ट्रकों में आमने सामने की टक्कर, ड्राइवर की मौत

भोपाल। सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बालमपुर घाटी में कल गुरुवार रात दो ट्रक की आमने सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक ट्रक का?ड्राइवर स्टेयरिंग में फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रक ड्राइवर को कैबिन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार बृजेश सिंह पिता मंगलवार सिंह आदिवासी (25) गांव दिवटिया, उदयपुरा, जिला रायसेन का रहने वाला था। गुरुवार रात वह ट्रक लेकर भोपाल से रायसेन जाने के लिए निकला था। बालमपुर घाटी पर पहुंचते ही रात करीब दस बजे सामने से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बृजेश के ट्रक का कैबिन चिपट गया। कैबिन में फंसने से उसे गंभीर चोट आई?थी। काफी मशक्कत के बाद उसे कैबिन से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। टक्कर मारने वाले ट्रक के चालक को मामूली चोट आई।

बस का इंतजार कर रहे अधेड़ व्यक्ति को बाइक ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया इलाके में घर जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे एक अधेड़ व्यक्ति को बाइक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सुरेश अहिरवार (50) ग्राम ललरिया में रहते हैं। गुरुवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपनी पत्नी सुषमा बाई और साले वीरेंद्र के साथ ग्राम मनख्याई जोड़ के पास सड़क किनारे खड़े होकर बस के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बैरसिया की तरफ से आई एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने सुरेश को टक्कर मार दी, जिससे उनके हाथ-पैरों और शरीर में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर बाइक की टक्कर से घायल हुए एक व्यक्ति ने इलाज कराने के बाद थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसा रामदयाल अहिरवार (42) शमशाबाद जिला विदिशा के रहने वाले हैं। बीती आठ जून की शाम करीब साढ़े चार बजे वह भोपाल से अपने घर शमशाबाद जा रहे थे। बैरसिया थानांतर्गत ग्राम मेंगरा जोड़ के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रामदयाल सड़क पर गिरकर घायल हुए और कुछ देर बाद बेहोश हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद गुरुवार को उन्होंने थाने जाकर बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

आरकेएमपी पर युवकों के मोबाइल उड़ाए भोपाल। सीधी निवासी शुभम गुप्ता अपने भाई और बहन के साथ इंटरसिटी एक्सप्रेस से जबलपुर से रानी कमलापति स्टेशन आए थे। रात होने के कारण तीनों मुसाफिर जाने में जाकर बैठ गए। इस दौरान शुभम ने अपना मोबाइल चार्जिंग पाइंट पर लगाया था। कुछ समय बाद नींद खुली तो 15 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। मोबाइल के कवर में पांच सौ रुपए भी रखे हुए थे। इसी प्रकार जबलपुर निवासी भूपेंद्र राजपाल अपनी बहनों को पेपर दिलवाने के लिए भोपाल आए थे। पेपर होने के बाद वापस जाने के लिए तीनों रानी कामलपति स्टेशन पहुंचे और ओवरब्रिज पर बैठकर ट्रेन के आने का इंतजार करने लगे। इस दौरान भूपेंद्र ने अपना मोबाइल चार्जिंग पर लगाया था, जिसे किसी ने चोरी कर लिया।

स्कूली छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सुरभि नगर में गुरुवार रात स्कूली छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार भूमिका भोसले पिता कमलेश भोसले (15) सुरभि नगर, रातीबड़ में रहतीथी।

वह स्कूली छात्रा था। उसके ताऊ कृष्णा घोसले ने बताया कि भूमिका ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। रात करीब 9 बजे के आसपास परिजन उसके कमरे के बाहर पहुंचे थे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंदथा किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया तो भूमिका का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। कृष्णा घोसले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने भूमिका का कमरा सील कर दिया है।

शव बरामद कर पीएम के लिए रात में ही मर्चूरी में रखवा दिया गया। एसआई गब्बर सिंह का कहना हैकि घटना देर रात की होने के कारण पुलिस परिजन के बयान दर्ज नहीं कर सकी है। आज पीएम के बाद शव सौंपा जाएगा। इसके बाद परिजन से बातचीत करने की कोशिश की जाएगी।

मिनीट्रक ने सवारी बस में मारी टक्कर

भोपाल। सूखी सेवनिया इलाके में एक मिनीट्रक ने सामने से आ रही सवारी बस में टक्कर मार दी। इस हादसे में बस में नुकसान हुआ है, लेकिन सवारियों को चोट नहीं आई। पुलिस के मुताबिक अब्दुल खान (26) राहतगढ़ जिला सागर का रहने वाला है और ड्रायवरी करता है। गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी बस में सवारियां भरकर भोपाल से विदिशा के लिए रवाना हुआ था। सूखी सेवनिया से निकलते समय सामने से आ रहे मिनीट्रक ने उसकी बस में दाहिनी साईड टक्कर मार दी, बस क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक की टक्कर से बालक घायल, चालक पर केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने पैदल जा रहे बालक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। चालक ने घायल बच्चे का इलाज कराने का वादा किया था, लेकिन जब उसने इलाज नहीं करवाया तो पिता ने थाने जाकर बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार कैलाश सिंह (35) पीरिया मोहल्ला बिलखिरिया में रहते हैं और किराने की दुकान चलाते हैं। कैलाश ने पुलिस को बताया कि बुधवार की शाम करीब पांच बजे उनका बेटा मानव सिंह (9) दुकान से पैदल घर की तरफ जा रहा था। इस दौरान पीरिया मोहल्ला के तिराहे पर एक तेज

रफ्तार बाइक चालक ने मानव को टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोट आई। टक्कर मारने के बाद बाइक चालक रुक गया और उसने बच्चे का इलाज कराने का वादा किया। इस पर परिजन बच्चे को इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जबकि चालक अपनी बाइक वहीं पर छोड़कर अपने घर चला गया। काफी प्रयास करने के बाद भी जब चालक इलाज का खर्चा देने के लिए अस्पताल नहीं पहुंचा ।

मेट्रो एंकर बंकर रेस्टोरेंट के सामने युवक की हत्या का मामला, हिरासत में दोनों आरोपी

दोस्त से मारपीट देख बीचबचाव में पहुंचे युवक के पेट में घोंपा चाकू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित बंकर रेस्टोरेंट के सामने चाकू गोदकर युवक की हत्या करने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हत्या की वजह दोस्त के विवाद में बीच बचाव की बात सामने आई है। दरअसल, दोस्त अपनी एक्स गर्लफ्रेंड की बुराई करने लगा था। इसी बात को लेकर आरोपी और उसके साथी से उसका विवाद हो गया।

बंकर रेस्टोरेंट के सामने विवाद बढ़ने पर दोस्त के साथ होती झूमाझटकी देख मृतक ने उसे बचाने का प्रयास किया। इसी बीच आरोपी ने उसके पेट में चाकू घोंप दिया और उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 18 साल का अतुल वर्मा दानिश कुंज कोलार में रहता है और निजी कॉलेज में पढ़ता है। उसने बताया कि उसकी गर्लफ्रेंड से एक साल पूर्व तक उसकी बातचीत होती थी। अब गर्लफ्रेंड आरोपी अवध राठौर से बातचीत करती है। अब अतुल की बातचीत एक्स गर्लफ्रेंड की छोटी बहन से होने लगी। अतुल ने उसकी गर्लफ्रेंड की छोटी बहन से बड़ी बहन की बुराई की। इस पर अवध राठौर गुस्से में आ गया। उसने मोबाइल पर अतुल को धमकी दी और कहा कि भोपाल में मिलो तुम्हें देख लूंगा।

बंकर रेस्टोरेंट मिलने बुलाया

बुधवार रात अवध राठौर का मोबाइल पर अतुल से विवाद हुआ। उसने अतुल को मिलने के लिए बंकर रेस्टोरेंट प्रियंका नगर कोलार बुलाया। अतुल अपने साथी आकाश राठौर को लेकर बंकर रेस्टोरेंट पहुंचा। इसी बीच अवध अपने दोस्त तरुण कुशवाह और गर्लफ्रेंड को लेकर पहुंच गया। पहुंचने के बाद अवध ने अतुल से कहा कि तुम मेरी गर्लफ्रेंड की बुराई क्यों करते हो। इसी बात को लेकर विवाद होने लगा। अतुल के साथ धक्कामुक्की होती देख उसका साथी आकाश राठौर बीच बचाव करने लगा। इसी बीच वहां मौजूद 23 साल के मृतक आकाश मोरे ने आकाश के साथ झूमाझटकी होती देखी और वह भी बीच-बचाव करने लगा। इस पर अवध कहने लगा कि तुम लड़के बुलवा रहे हो और चाकू निकालकर आकाश मोरे के पेट में घोंप दिया।

कार से लेकर पहुंचे अस्पताल

घर से कुछ दूरी पर हो रहे विवाद की जानकारी लगते ही अकाश का भाई सूरज मोरे भी पहुंच गया था। वह अपने भाई को उसके दोस्तों की मदद से अतुल की कार से निजी अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद आकाश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी अवध राठौर और तरुण कुशवाह को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद कर लिया है। आरोपी इब्राहिमगंज, हनुमानगंज के हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022